हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, रविवार 21 जुलाई 2024

तापमान
अधिकतम 24.8 डिग्री
न्यूनतम 22.4 डिग्री

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

11 कुम्हारी में डॉ. खूबचंद बघेल की 124वीं जयंती, रखे विचार

11 पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण कर सुरक्षा का लें संकल्पः डॉ. पाल

न्यु ओम ज्वेलर्स
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें · जितना सोना उतना चांदी फ्री
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

ओएलएक्स के नाम पर धोखाखड़ी, अपराध दर्ज

भिलाई। ओएलएक्स के नाम पर धोखाखड़ी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ धारा 318 (4) के तहत जुर्म दर्ज किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि आदर्श नगर केम्प 2 वार्ड 31 निवासी गुड्डू सोनकर फल मण्डी में ट्रांसपोर्टिंग का काम करता है। बेटा शिवम सोनकर को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अओएलएक्स में बाइक दिखाकर बेचने का झांसा देकर 17 बार में आनलाईन ट्रांजेक्शन से 1 लाख 97 हजार 600 रूपये का धोखाधडी किया है। शिवम को ओएलएक्स में बाइक कीमत 35 हजार बताई गई। बाइक के लिए शिवम ने 10 जुलाई को खरीदने के लिए दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। दो दिन बाद बाइक को होम डिलवरी करना बताया गया। 12 जुलाई काल आया जो होम डिलवरी करने के नाम पर पैसे का डिमांड मोबाइल धारक द्वारा किया गया। 46 हजार 500 रूपये, मोबाइक धारक को ट्रांसफर किया गया। लेखराज एण्ड इंद्रा नाम के खाते में 29600 रूपये अलग अलग माध्यम से 17 बार में 1 लाख 97 हजार 600 रूपये लिया का धोखाधड़ी किया गया।

धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने पकड़ा

भिलाई। शराब पीने के लिए लोगों को डरा धमका कर रुपए का डिमांड करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने 296, 119 (1),351 (2), आर्म्स एक्ट बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि पोलसाय पारा लक्ष्मीनारायण मंदिर दुर्ग निवासी मनोज बत्रा ने शिकायत किया है कि गंजपारा दुर्ग निवासी आकाश उर्फ चंदु मेश्राम गाली गलौज कर श्राब पीने के लिए रुपए का डिमांड कर रहा था। जिसका विरोध करने पर गाली गलौज कर मारपीट किया। पुलिस ने आरोपी को खोजबीन कर तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ करने पर घटना करना स्वीकार किया। आरोपी के पस से पुलिस ने धारदार फरसा जब्त किया है।

500 से अधिक छात्रों का आधार कार्ड अपडेट

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में स्थित श्री शंकराचार्य कॉलेज में आधार कार्ड अपडेट करने का शिविर शनिवार को लगाया गया। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी को जानकारी मिली थी कि शंकराचार्य कॉलेज में 500 से अधिक छात्र ऐसे हैं। जिनके आधार कार्ड अपडेट नहीं होने के कारण उनको एडमिशन लेने में परेशानी हो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में शिविर लगा। छात्र-छात्राएं एडमिशन लेकर समय पर अपने आगे की पढ़ाई कर सकें। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार शंकराचार्य कॉलेज में सुबह 10 से आधार अपडेट करने का काम शुरू हो गया। इसमें छात्रों के अलावा उनके परिजन, स्टाफ के सदस्य, एवं चौहान टाउन , स्मृति नगर एवं आसपास के निवासियों द्वारा आधार अपडेट करवाया गया। स्टाफ के सदस्य राजकुमार वर्मा ने बताया आधार कार्ड अपडेट करने का शिविर लगने से छात्र-छात्राओं एवं हम लोगों को बहुत सुविधा हो गई।

अपराध: मोहन नगर पुलिस को सफलता, भाई व भतीजे ने घटना को दिया अंजाम

पैसा व ऋण पुस्तिका को लेकर भाई की हत्या, पिता व पुत्र गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

जमानत के लिए ऋण पुस्तिका को लेकर हुए विवाद में पिता पुत्र ने मिलकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने दो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि दुर्गेश उर्फ गेंडा उर्फ नानू अपने जमानत के लिए लगातार ऋण पुस्तिका देने की मांग भाई श्रीराम निषाद से करता था। नहीं देने पर विवाद करने लगा। विवाद इतना बड़ गया कि श्रीराम निषाद और उसका बेटा खिलावन निषाद ने बिजली केबल को नानू के गले में लपेट दिया। इसके बाद उसका गला को घोंट कर मौके से फरार हो गए। इस दौरान दोनो आरोपी पिता पुत्र हत्या करने के बाद मकान में ताला जड़ दिए थे। मकान का ताला को तोड़कर देखने पर नानू अचेत अवस्था में पड़ा था। गले में बिजली केबल लपेटा हुआ था। नाक से खून निकला हुआ था। सूचना पर मोहन नगर पुलिस टीम के साथ पहुची और शुक्रवार रात को मकान को सील कर दिया। शनिवार की सुबह शव का पंचनामा कर उसे पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी रही सूचना पर तुरंत श्रीराम निषाद, खिलावन निषाद को हिरासत में लिया। कार्रवाई में मोहन नगर टीआई मोनिका पाण्डेय समेत टीम का योगदान रहा है।

पैसों का डिमांड करता था

सूचना मिलने पर एएसपी अभिषेक झा समेत पुलिस टीम मौके पर पहुची घटनास्थल का मुआयना किया गया। इसके अलावा फोरेंसिक एक्सपर्ट डॉ मोहन पटेल भी पहुचे थे। आरोपियों के गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पुलिस को बताया कि दुर्गेश उर्फ गेंडा कोई काम नहीं करता था, अपराधिक किस्म का था। रोज रुपयों की डिमांड किया करता था। घटना की शाम भी जमानत के लिए जमीन की ऋण पुस्तिका की मांग कर विवाद कर रहा था। लगातार परेशान होकर नानू के गला में बिजली के तार लपेटा गया फिर उसका गला घोट कर हत्या करना स्वीकार किया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है।

सेवानिवृत्त रकम को लेकर भी विवाद

पुलिस की जांच यह भी पता चला कि मृतक नानू निषाद का पिता गुहाराम निषाद एफसीआई गोदाम में सरकारी हमाल था। सेवानिवृत्त में उसे कुछ फंड मिला था। उस लेकर भी नानू रोज परिजनों से विवाद करता रहता था। नशे की हालत में नानू परिवार वालों से विवाद किया करता था। इसके चलते परिवार के लोग खासे परेशान थे। मृतक नानू का बडे भाई श्रीराम और उसका भतीजा खिलावन है। पिछले महीने ही पुलिस ने मृतक को मोहल्ले में मारपीट के मामले में जेल भेजा था।

कॉलेज प्रोफेसर पर नकाबपोश का हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

कालेज के एक प्रोफेसर को नकाबपोश बदमासों ने लाठी, डंडे से पीट-पीटकर गंभीर करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 109, 296, 3(5), 351(3) के तहत जुर्म दर्ज किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि पांच रास्ता सुपेला निवासी हेमंत ने शिकायत किया है कि ग्रीन वैली जुनवानी निवासी प्रोफेसर विनोद शर्मा के घर ड्रायवर का काम करता है। शुक्रवार सुबह प्रोफेसर को भिलाई तीन कॉलेज में कार सीजी 07 सीई 6699 से छोड़ा था। कालेज की छुट्टी होने पर शाम को उन्हें लेकर घर छोड़ने जा रहा था। इस दौरान भिलाई-3 पुलिस पेट्रोल पंप के पास पान ठेले के पास रुके। शाम करीब 4.15 बजे गाड़ी से उतरकर पान ठेले के पास जाने के लिए निकले। तभी बाइक सवार चार बदमाशों ने अपने पास रखे लाठी-डंडे से प्रोफेसर विनोद शर्मा पर हमला कर दिया। जबकि दो युवक उसके साथ मारपीट करने के लिए कार की ओर दौड़े। तब कार को खुर्सीपार की ओर तेजी से दौड़ा दी। कालेज के साथी चालक प्रवीण सिंह को घटना के बारे में कॉल कर बताया था। कुछ देर बाद वापस आने पर पता चला कि गंभीर रूप से घायल प्रॉफेसर को इलाज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी महेश ध्रुव ने बताया कि सीसीटीवी में एक बाइक पर तीन-तीन युवक सवार होकर पहुंचे। नकाब पहनने के कारण कैमरे में चेहरा नहीं दिख रहा है।

आरोपी को पुलिस ने लिया हिरासत में

ज्वेलरी से नकली सोना देकर असली सोना ले गई महिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

ज्वेलर्स संचालक को एक महिला ने ठगी का शिकार बनाया है। शिकायत पर पुलिस ने महिला के खिलाफ धारा 318 (4),336 (3),337, 339 के तहत जुर्म दर्ज किया है। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बताया कि वार्ड 36 दुर्ग संचेती ज्वेलर्स संचालक सुभाष संचेती ने शिकायत किया है कि ज्वेलर्स शॉप में नकली सोने की चेन देकर उसके बदले में सोने की अंगूठी और चूड़ियां लेकर फरार हो गई। जिसकी कीमत 2 लाख 25 हजार रुपए आंकी गई है। घटना 18 जुलाई की शाम की बताई जा रही है। महिला सोने की अंगूठी और चूड़ी खरीदने के लिए दुकान आई थी। महिला को सोने की अंगूठी और चूड़ी पसंद आई। बदले में महिला ने सोने की एक पुरानी चेन दी। जिसकी जगह पर अंगूठी और चूड़ी देने की बात कही थी। देखने में महिला अच्छे घर से लग रही थी। इसलिए संचालक सुभाष संचेती ने

- दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र की है घटना

बिना सोने को परखे ही सोने की चेन का वजन किया। महिला को बताया कि उसकी चेन 2 लाख 18 हजार रुपए की है। अंगूठी और चूड़ी 2 लाख 15 हजार रुपए की है। ज्वेलर्स से 3 हजार कैश और अभूषण लेकर महिला फरार हो गई। सुभाष संचेती ने चेन गलाकर देखा तो नकली मिली।

सीसी कैमरे से मिला फुटेज

सुभाष संचेती ने पुलिस को बताया कि महिला सोने की चेन चोरी की नहीं लाई है। इसका भरोसा जताने के लिए महिला ने बकायदा अपना आधार कार्ड दिया था। जिसमें दिगंबर जैन धर्मशाला के सामने चांदनी चौक नई दिल्ली निवासी रीमा देवी उल्लेख है। साथ ही उसने अपना वर्तमान पता सुभाष नगर दुर्ग भी बताया। महिला ने आधार कार्ड की फोटोकॉपी में अपना हस्ताक्षर करके भी दिया था। संचेती ज्वेलर्स के संचालक के मुताबिक दुर्ग पुलिस ने महिला ठग को सीसी कैमरा के फुटेज के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। महिला से पुलिस पूछताछ करने में जुटी हुई है। महिला के पास से सोने के आभूषण जब्त नहीं हुए हैं। अपने गैंग के दूसरे साथी को सारा जेवरात दिया है। पुलिस उसके गैंग में और कौन लोग शामिल हैं। इसे लेकर पूछताछ कर रही है।

शट डाउन की वजह से नहीं मिला पेयजल

भिलाई। विद्युत मण्डल द्वारा मेंटनेंस कार्य की वजह से पेयजल व्यवस्था शनिवार ठप हो गई। नगर निगम भिलाई के 66 एम.एल.डी. एवं 77 एमएलडी में पानी आपूर्ति समय अनुसार नहीं हो पाया। इसके कारण फरीद नगर, मदर टेरेसा नगर एवं खुर्सीपार पानी की टंकी से शाम की सप्लाई प्रभावित रही।

शेयर मार्केट के नाम पर 14.80 लाख रुपए की ठगी, जुर्म दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

शेयर मार्केट में निवेश करने के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

सेक्टर 8 सड़क 35 क्वाटर कमांक 2 निवासी सैफ अहमद से मुकेश चौधरी, निशांत भट्ट के द्वारा फारेक्स ट्रेडिंग के नाम पर 14 लाख 80 हजार 885 का ठगी किया है। साल भर पहले हुडको निवासी मुकेश चौधरी घर में इलेक्ट्रीशियन के काम से आना-जाना करता था। 15 अगस्त 2022 को फरेस्ट ट्रेडिंग में पैसे निवेश करने की बात बता कर लाभ होने का झांसा दिया। लालच में आकर 100 प्रतिशत लाभ दिलाने का झांसा मुकेश ने दिया। पीड़ित ने मुकेश चौधरी की झांसे में आकर अपना ट्रेडिंग का खाता खोल दिया। जिसका रेफरल लिंक मुकेश के द्वारा 23 अगस्त 2022 को व्हाट्सएप में भेजा। अपना खाता खोलकर रकम 1 लाख 22 हजार रुपए करीब उक्त खाते में ट्रांसफर किया। मुकेश चौधरी ने खाते से पैसे निकालने पीड़ित से कहा एनएलवीएक्स कंपनी पर 2 लाख 2 हजार, 3 लाख 32 हजार 464 रुपए कुल 5 लाख 34 हजार 602 रुपए को मुकेश चौधरी के द्वारा लाभ का झांसा देकर निवेश कराया। इसके बाद कोई कंपनी का मैनेजर निशांत भट्ट का नाम बताया जो मुंबई कार्यालय में बैठने का झांसा दिया। उससे पीड़ित का बातचीत कराया उसके बाद मार्केट डाउन का बहाना बताया गया।

- थाना भिलाई नगर क्षेत्र की घटना
- फरेस्ट ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर किया निवेश

मुकेश चौधरी ने निशांत भट्ट की बातों का समर्थन करने लगा। इसके बाद 11 अक्टूबर 2022 को डूबे हुए पैसे को वापस निकालने के लिए 8 लाख 24 हजार 208 उधारी मांग कर मुकेश चौधरी एवं निशांत भट्ट के कहने पर निवेश किया। निशांत भट्ट, मुकेश चौधरी के द्वारा अन्य टैक्स नाम का एप्लीकेशन डाउनलोड करने को पीड़ित से कहा गया।

चार मंदिरों में चोरी के आरोपी तक पहुंची पुलिस जेवर व नकदी बरामद

बालोद । जिले के चार मंदिरों व एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम देने के आरोप में एक आदतन चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े जाने के दौरान आरोपी ढाबा में खाना खा रहा था। वहीं, पूछताछ के दौरान चोर बताए गए स्थान की पड़ताल के दौरान उसके घर से सोने चांदी के जेवरात सहित नकदी रकम कुल 2 लाख 10 हजार रुपए बरामद किया गया है। इसके साथ ही धमतरी रोड पर ग्राम पाकुरभाट के पास एक मैरिज हॉल में शादी कार्यक्रम स्थल से एक बाइक की चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बाइक चोरी के मामले में एक नाबालिग लड़का भी शामिल है। पुलिस के अनुसार आरोपी चोर ग्राम निपानी निवासी महेश यादव पिता राधेलाल यादव 32 वर्ष ने ग्राम भेंगारी में शीतला माता मंदिर से सोना चांदी के आभूषण सहित नगदी रकम कुल 48 हजार रुपए, ग्राम भेंगारी के ही राम जानकी मंदिर से माता जानकी की प्रतिमा को पहनाए गए सोने चांदी के विभिन्न आभूषणों सहित नगदी रकम 22 हजार रुपए, ग्राम निपानी के जय बैगीन गुड़ी दाई मंदिर में माता को पहनाए गए आभूषण जिसकी कीमत लगभग 20 हजार रुपए तथा गुरुर नगर के शीतला मंदिर में माँ दुर्गा की प्रतिमा को पहनाए गए सोने चांदी के आभूषणों एवं दानपेटी में रखे नगदी रकम, कुल 75 हजार रुपए को चोरी कर ले गया था। इसके साथ ही पांचवी घटना ग्राम चिरचार निवासी एक व्यक्ति के घर एक नग चांदी के पायल व एक नग मोबाइल जिसकी कीमत 11 हजार रुपए की चोरी किया था।

वेतन नहीं मिलने से एनएचएम हेल्थ कर्मी आक्रोशित, चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिले में कार्यरत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम के कर्मचारियों का अभी तक सैलरी नहीं आया है। जिसकी वजह से कर्मचारियों में काफी आक्रोश है। साथ ही 27 प्रतिशत बढ़कर वेतन मिलना था वो भी नहीं मिला । हर साल अप्रैल में 5 प्रतिशत सैलरी बढ़ना था वो भी नही बढ़ा है। आक्रोशत कर्मी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल में जा रहे हैं। जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो सकती है । क्योंकि स्वास्थ्य विभाग रेगुलर और एनएचएम कर्मी के भरोसे चलता है।

22 से जाएंगे हड़ताल में

दुर्ग जिले के 1100 कर्मचारी हड़ताल करने रायपुर जाएंगगे । 22 और 23 जुलाई को ध्यान आकर्षण हड़ताल है। उसके कुछ दिन बाद कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाएंगे। कर्मियों ने सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी को हड़ताल पर जाने के लिए अल्टीमेटम भी सौंपा। इस अल्टीमेटम में बताया गया कि उनकी मांगे सरकार नहीं मान रही है इसलिए हड़ताल पर जाना उनकी मजबूरी है। **इतना मिलता है वेतन कर्मियों को**ः एनएचएम कर्मियों ने बताया कि उन्हे अलग-अलग कार्य के लिए नियुक्ति प्रदान की गई है। जिसमें कर्मी को 7700 , 8000 , 10,000 और 12000 रुपए वेतन मिलता है। ऐसी स्थिति में कर्मी अपना घर कैसे चलाएंगे। अभी तक सैलरी भी नहीं मिली है। जिसकी वजह से घर चलाना मुश्किल हो गया है।

भिलाई निगम पार्षदों की बनी सफाई जांच समिति कर रहा निरीक्षण

सफाई ठेका निरस्त करने के पहले हो रही जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई शहर की सफाई व्यवस्था की जांच पार्षदों की गठित कमेटी ने शुरू कर दी। इस कमेटी में 19 पार्षदों को शामिल किया गया है। निगम के चार अधिकारी भी इस कमेटी में हैं। यह कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी। कमेटी तय बिंदुओं पर जांच कर रही है। उसके आधार पर भिलाई निगम द्वारा सफाई ठेका एजेंसी का कार्य आगे बढ़ाने या रद्द करने संबंधी फैसला लिया जाएगा।

पार्षद जांच कमेटी के सदस्य सफाई व्यवस्था की जानकारी जुटे हुए।

सामान्य सभा में पक्ष व विपक्ष के पार्षद हुए थे एकजुट

शहर में साफ-सफाई की स्थिति को लेकर न केवल विपक्षी पार्षद बल्कि पक्ष के पार्षदों ने भी एकजुटता दिखाई थी। भाजपा व निर्दलीय पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में सफाई की स्थिति पर नाराजगी दिखाई। वहीं कांग्रेस पार्षदों ने भी अपने वार्ड में साफ-सफाई नियमित व मापदंडों के अनुरूप नहीं होना बताया। सामान्य सभा में हंगामे के बाद सभाध्यक्ष गिरवर बंटी साहू ने एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया था।

25 बिंदुओं पर हो रही जांच

नगर निगम भिलाई क्षेत्र में सफाई व्यवस्था किस प्रकार से सुचारू रूप से और व्यवस्थित रूप से चले, इस परिपेक्ष में उनके द्वारा रिपोर्ट दिया जाना है। समिति की प्रथम बैठक गुरुवार के दिन नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में हुई थी। समिति के सदस्य द्वारा सर्वसम्मति से 25 बिंदु निर्धारित किया गया था । इसी को आधार मानकर शनिवार के दिन वैशाली नगर जोन कार्यालय में जाकर वहां पर सफाई में उपयोग किया जा रहे संसाधनों, गाड़ियों का निरीक्षण किया गया। साथ में सफाई कर्मचारियों से भी बातचीत करके जानकारी प्राप्त की गई। उनको प्रदान की जाने वाली सुविधाओं, सफाई कार्य के तरीके के बारे में पूछताछ की गई ।

वर्तमान एजेंसी पर पार्षद का यह आरोप

पार्षदों ने वर्तमान सफाई ठेका एजेंसी पर यह आरोप लगाया है कि उनके पास जितने कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी भिलाई निगम को देकर ठेका लिया गया है उतने हैं नहीं। सुपरवाइजर से लेकर सफाई कर्मियों की संख्या कम है। तय शेडयूल के हिसाब से वार्डों में सफाई नहीं की जाती। पार्षदों की बात तक एजेंसी के कर्मी नहीं सुनते। जितना ठेका एजेंसी को भुगतान किया जा रहा है उससे कम में भिलाई निगम खुद की कर्मी कलेक्टर दर पर कर्मी रखे और सफाई व्यवस्था संचालित करे तो लाखों रुपए की बचत की जा सकती है।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक आज

भिलाई। भाजपा प्रदेश कार्य समिति के बैठक पश्चात प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा जिला भिलाई की कार्य समिति बैठक का आयोजन 21 जुलाई को रविवार सुबह 10 बजे होटल अमीत पार्क में रखा गया है। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के महामंत्री भारत वर्मा एवं अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई के अध्यक्ष महेश वर्मा द्वारा किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे, दुर्ग सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे, विधायक रिकेश सेन, डोमन लाल कोर्सेवाडा, ललित चंद्राकर एवम एवं विशेष अतिथि जिला प्रभारी संदीप शर्मा, सह प्रभारी चेम्मन देशमुख उपस्थित रहेंगे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
7987328736, 7489348301

गुरूर्ब्रम्हा गुरूर्विष्णुः गुरूर्देवो महेश्वरा।
गुरूः साक्षात् परब्रम्हा तस्मै श्री गुरवे नमः।।

DEV SANSKRITI VIDYALAYA
(ENGLISH MEDIUM SCHOOL)
KAPRI, DHAMDHA ROAD, DURG
गुरू पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं
ADMISSION OPEN
SESSION : 2024-25
NURSERY TO CLASS-8th
Class-9th to Class-12th
TRANSPORT FACILITY AVAILABLE
Mob.: 7987165676, 9329974333
6266696500, 7974809167
For more information visit out facebook page
https://www.facebook.com/devsanskritividyalaykhapti/

“शांति का पढ़ाया पाठ, अज्ञानता का मिटाया अंधकार,
गुरु ने सिखाया हमें नफ़रत पर विजय है प्यार।”

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥
आप सभी को
गुरु पूर्णिमा
पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
MANSA GROUP OF INSTITUTION
Mob.: 7772034444, 7771815555, 7770816666
Kohka Road, Kurud, BHILAI
Website : www.mansacollege.com www.mansa-polytechcollege.com

गुरू पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं
उदय कॉलेज
AFFILIATED TO HEMCHAND YADAV UNIVERSITY DURG
ADMISSION OPEN
B.A. 6000/-
B.Com. 7500/-
B.Sc. (Bio) 9000/-
PGDCA 12000/-
PG DIPLOMA IN YOGA 14000/-
SCHOLARSHIP FACILITY AVAILABLE
Jamul-Bhilai
9926011105,7470984997

हिन्दू धर्म में गुरु की महत्ता

गुरु उस चमकते हुए चंद्र के समान होता है, जो अंधेरे में रोशनी देकर हमारा पथ-प्रदर्शन करता है। आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है।

हमारे जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है और समाज में भी गुरु का स्थान सर्वोपरि है। भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से भी बढ़कर माना जाता है। धमर्शास्त्रों के अनुसार संस्कृत में 'गु' का अर्थ होता है अंधकार/अज्ञान एवं 'रु' का अर्थ होता है प्रकाश/ज्ञान। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं। अतः गुरु को महत्व देने के लिए ही महान गुरु वेद व्यास जी की जयंती पर गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।

इसी दिन भगवान शिव द्वारा अपने शिष्यों को ज्ञान दिया गया था। इस दिन कई महान गुरुओं का जन्म भी हुआ था और बहुतो को ज्ञान की प्राप्ति भी हुई थी। इसी दिन गौतम बुद्ध ने धर्मचक्र प्रवर्तन किया था। गुरु पूर्णिमा पर्व को हिन्दू ही नहीं बल्कि जैन, बौद्ध और सिख धर्म के लोग भी मनाते हैं। गुरु की महत्ता को महत्व देते हुए प्राचीन धर्मग्रंथों में भी गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान बताया है। माता और पिता अपने बच्चो को संस्कार देते हैं, पर गुरु सभी को अपने बच्चों के समान मानकर ज्ञान देते हैं।

मनुस्मृति के अनुसार उपनयन संस्कार के बाद विद्यार्थी का दूसरा जन्म होता है। इसीलिए उसे द्विज कहा जाता है। शिक्षा पूर्ण होने तक गायत्री उसकी माता तथा आचार्य उसका पिता होता है। पूर्ण शिक्षा के बाद वह गुरुपद प्राप्त कर लेता है।

गुरु पूर्णिमा से संबंधित पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अंश स्वरूप कलावतार हैं। उनके पिता का नाम ऋषि पराशर तथा माता का नाम सत्यवती था। उन्हें बाल्यकाल से ही अध्यात्म में अधिक रुचि थी।

अतः उन्होंने अपने माता-पिता से प्रभु दर्शन की इच्छा प्रकट की और वन में जाकर तपस्या करने की आज्ञा मांगी, लेकिन माता सत्यवती ने वेदव्यास की इच्छा को ठुकरा दिया। तब वेदव्यास के हठ पर माता ने वन जाने की आज्ञा दे दी और कहा कि जब घर का स्मरण आए तो लौट आना। इसके बाद वेदव्यास तपस्या हेतु वन चले गए और वन में जाकर उन्होंने कठिन तपस्या की।

इस तपस्या के पुण्य-प्रताप से वेदव्यास को संस्कृत भाषा में प्रवीणता हासिल हुई। तत्पश्चात उन्होंने चारों वेदों का विस्तार किया और महाभारत, अठारह महापुराणों सहित ब्रह्मसूत्र की रचना की। वेदव्यास को हम कृष्णद्वैपायन के नाम से भी जानते है। अतः हिन्दू धर्म में वेदव्यास को भगवान के रूप में पूजा जाता है। इस दिन वेदव्यास का जन्म होने के कारण इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। महर्षि वेदव्यास को अमरता का वरदान प्राप्त है। अतः आज भी महर्षि वेदव्यास किसी न किसी रूप में हमारे बीच उपस्थित हैं।

गुरु के अभाव में हमारा जीवन शून्य होता है। गुरु अपने शिष्यों से कोई स्वार्थ नहीं रखते हैं, उनका उद्देश्य सभी का कल्याण ही होता है। गुरु को उस दिन अपने कार्यो पर गर्व होता है, जिस दिन उसका शिष्य एक बड़े पद पर पहुंच जाता है। एक व्यक्ति गुरु का ऋण सभी नहीं चुका पाता है। गुरु और शिक्षकों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। एक विद्यार्थी के जीवन में गुरु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। गुरु के ज्ञान और संस्कार के आधार पर ही उसका शिष्य ज्ञानी बनता है। गुरु मंद बुद्धि शिष्य को भी एक योग्य व्यक्ति बना देते हैं। संस्कार और शिक्षा जीवन का मूल स्वभाव होता है। इनसे वंचित रहने वाला व्यक्ति बुद्दू होता है। गुरु के ज्ञान का कोई तोल नहीं होता है।

इस दिन हमारे गुरु और शिक्षक की आराधना करते हैं और उन्हें भेंट देकर उनका आदर करते हैं। इस दिन पाठशाला, स्कूल, कॉलेज, आश्रम और गुरुकुलों में शिक्षकों और गुरुओं के सम्मान के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। तथा गुरुओं के सम्मान में गीत, भाषण, कविताएं, नृत्य और नाटक किए जाते हैं। इस तरह गुरु पूर्णिमा के दिन विद्यार्थी अपने गुरु के सम्मान में अनेक गतिविधियां आयोजित करते हैं।

गुरू पूर्णिमा की पावन अवसर पर....
चरणं शरणं गच्छामि
हर तरह की ईच्छा पूर्ति, मानसिक शान्ति एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए
P3Y
(Paramji Alias His Holiness Papr Paramayog)
का तरीका सीखें - निःशुल्क
पी.के.लाहिड़ी / वेदान्त, वेदप्रिया, सुकन्या
फोन : 88265-24394, 90070-78906
website : www.p3ychhattisgarh.in

छत्तीसगढ़ (प्रा.) आई.टी.आई
N.C.V.T, D.G.T. तथा छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
iti
प्रवेश प्रारम्भ 2024-25
Skill India
• कोपा
• इलेक्ट्रीशियन
• कम्प्यूटर हार्डवेयर
• हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
मो. नं.-8602910708
पता-बोरसी, धनोरा-दुर्ग

SHRI SHANKARACHARYA
INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Junwani Bhilai
निःशुल्क प्रसव सुविधा
24/7 विशेषज्ञ के निगरानी में
सर्व सुविधा युक्त
जैसे ए.सी. लेबर रुम, मॉडुलर ऑपरेशन थियेटर,
ब्लड बैंक, पैथोलॉजी लैब,
निश्चेतना विशेषज्ञ,
ICU, NICU इत्यादि
“एक कदम मातृत्व मृत्यु दर को कम करने की ओर”
हमारा प्रयास, हर माँ जुग जुग जिए
संपर्क करें-0788-4088877, 6260321173

MA SARDA PUBLIC SCHOOL
Affiliated to C.B.S.E., New Delhi, Affiliation No.-3330038
-: For Admission Offers Contact :-
Ph. 0788-2242200, 99815-50505, 90984-69860, 99071-82608, 97520-99069
Run by : Ma Sarda Sewa Samiti, Bhilai (C.G.)
ADMISSIONS OPEN : 2024-25
K.G.-1 to Class-X
Class XI-XII (All Streams)
गुरू पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं
Spacious classroom with cross ventilation ensure a healthy atmosphere, Excellent blended mode for academic growth of child
For Details Contact : Office : 7.30am to 1pm
Street-4, Sector-9, Bhilai, Durg (C.G.)
Mob.: 9752099069, 9907182608

जिले में बढ़ते स्टॉक एक्सचेंज फ्रॉड से बचने आईजी की एडवाइजरी

ठगों से बचने कई टिप्स भी दिए, लगातार हो रही है ठगी की वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर धोखाधड़ी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। साइबर ठग फर्जी कॉल और सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से लोगों को अधिक लाभ का लालच देकर ठगी कर रहे हैं। इन घटनाओं से बचने के लिए सावधानी बरतना आवश्यक है।आईजी राम गोपाल गर्ग ने बताया कि साइबर ठग सोशल मीडिया अकाउंट या फर्जी मोबाइल नंबर से कॉल या व्हाट्सएप टेलीग्राम मैसेज भेजकर लोगों को शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए प्रेरित करते हैं। ठग कम समय में अधिक लाभ का वादा करते हैं और पीड़ित व्यक्ति ठगों के निर्देशानुसार बड़ी राशि ट्रांसफर कर देता है। बाद में जांच में पता चलता है कि जिस नंबर से कॉल की गई थी। वह फर्जी सिम से इस्तेमाल किया गया था। ठग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी अकाउंट और ऐप्स बनाकर लोगों को ठगते है। अन्वेरीफाइड प्रोफाइल (टिक मार्क नहीं होता), आईपीओ अलॉटमेंट और अत्यधिक रिटर्न का वादा किया जाता है। मशहूर सेलब्रेटी प्रभावशाली इनफ्लुएंसर का फर्जी वीडियो से भ्रमित किया जाता है। टेलीग्राम व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होने का दबाव होता है। व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप्स में कुछ सदस्य शेयर ट्रेडिंग और निवेश के लिए अन्य लोगों को उकसा रहे हैं। किसी भी लिंक पर क्लिक न करें, ये फर्जी हो सकती हैं और आप फंस सकते हैं। प्रतिदिन समाचार पत्रों और साइबर क्राइम पुलिस स्टेशनों में कई मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। ये लोग आपके निवेश पर घंटों में लाभ दिखाते हैं। प्रारंभ में आप हजारों में पैसा निकाल सकते हैं, लेकिन जब निवेश लाखों या करोड़ों में पहुंच जाता है, तो वे और अधिक निवेश की शर्तें रख देते हैं और फिर निकासी की अनुमति नहीं देते। ऐसे कई ग्रुप विदेश से भी संचालित होते हैं। निवेश करने से पहले अपने जागरूक मित्र, पत्रकार, वकील या किसी पुलिस अधिकारी से जरूर चर्चा करें। सावधान रहें और अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखें।

ऐसे बचा जा सकता है ठगों से

अज्ञात व्हाट्सएप या टेलीग्राम ग्रुप पर कोई विज्ञापन दिखाई दे तो तुरंत ग्रुप छोड़ दें, किसी भी कंपनी के तुरंत या कम समय में अधिक मुनाफा देने के वादों पर विश्वास न करें। अज्ञात ग्रुप्स पर नेशनल या मुंबई स्टॉक एक्सचेंज से जुड़े ग्राफ चार्ट पर विश्वास न करें। सेबी में रजिस्ट्रेशन चेक करना पर्याप्त नहीं है, बैंक खाता या यूपीआई आईडी की पूरी जांच करें। निवेश करते समय केवल सत्यापित ब्रोकर से ही लेन-देन करें और अपने डिमैट खाते को नियमित रूप से जांचते रहें। किसी प्रकार का साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें ताकि रकम को खाते में होल्ड करवाया जा सके। साइबर प्रहरी नामक एक पहल शुरू की गई है। जिसका उद्देश्य साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को साइबर ठगी से बचाना है। साइबर प्रहरी के माध्यम से पुलिस लोगों को ऑनलाइन सुरक्षा और साइबर अपराध से बचने के उपायों की जानकारी लगातार देती है।

खबर संक्षेप

मेहर समाज ने भवन के लिए सांसद से की मांग

सेलूद। मेहर समाज का प्रतिनिधिमंडल दुर्ग सांसद विजय बघेल से उनके निवास में मुलाकात किया जिसमें सामाजिक चर्चा की गई। इसके अंतर्गत ग्राम बेरला ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम परफोड़ा में सामाजिक भवन बनाने के लिए 25 लाख रुपए की मांग की गई। साथ ही सामाजिक लोगों के द्वारा पूर्व में कृषि योग्य जमीन आवंटित किया गया था उसकी सरकार द्वारा पट्टा देने की भी मांग की गई। वहीं समाज के लोगों को जाति, निवासी प्रमाण पत्र बनाने में तकलीफ हो रही है इसकी भी सरलीकरण की मांग की गई। प्रतिनिधि मंडल में समाज की पूर्व महासचिव हर प्रसाद आडिल, दुर्गाराम शिवारे, मोतीराम डाडे, भारत मिर्जा, संतूराम लहरी, रामब्रिज लहरी, डॉ. बलराम मिर्जा, सुकालू राम लहरे, मोहनलाल लहरे, बलदाऊ शिवारे, प्रीतम लहरे, घनश्याम शिवारे, हेमंत आडिल आदि उपस्थित थे।

प्रवर्तन विभाग ने से. 6 में 9 क्वार्टर किया खाली

भिलाई। बीएसपी नगर सेवाए, प्रवर्तन अनुभाग द्वारा टाउनशिप में चल रही बेजा कब्जा बेदखली मुहिम के तहत शुक्रवार को भी जारी रही। आज सेक्टर 6 सड़क 39 ब्लॉक 1 अनफिट घोषित ब्लॉक के 9 आवास से अवैध कब्जाधारियों को बेदखलकर आवासों को पार्शियल डेमोलिशन के लिए सिविल अनुभाग के सुपुर्द किया गया। पिछले कुछ दिनों पूर्व खाली कराये सड़क 32 के आवासों में कुछ आसामाजिक तत्वों दलालों द्वारा फिर से खिड़की दरवाजा लगा कर कब्जा कर लिया गया था। प्रवर्तन टीम द्वारा ऐसे 5 आवासों को भी कब्जा मुक्त करा कर खिड़की दरवाजे को पुनः निकलवाए गए तथा बिजली की सप्लाई को बंद करवाया गया। सुरक्षा की दृष्टि से सभी असुरक्षित घोषित पानी टंकियों के पास स्थित अवैध कब्जेधारियों तथा अनफिट ब्लॉक्स के अवैध कब्जेधारियों को कई बार हटाने हेतु नोटिस तथा समझाइश दी गई थी।

समस्या : बिजली विभाग व नगर निगम रिसाली को कराया अवगत

जोरातराई अम्बेडकर आवास में 20 वर्षों से बिजली नहीं,रहवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उतई

नगर निगम रिसाली के अंतर्गत आने वाले वार्ड 37 जोरातराई में लगभग 20 वर्ष पहले बने अंबेडकर आवास में आज तक बिजली पोल नहीं पहुंच पाई है। जिसके चलते वहां रह रहे लोगों को बिजली की भारी समस्या से गुजरना पड़ रहा है।

बिजली पोल व स्थायी बिजली कनेक्शन की मांग को लेकर पुर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे व भेमशंकर टावरे के नेतृत्व में अम्बेडकर आवास के नागरिकों ने बिजली विभाग के कार्यपालन अभियंता व निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंप कर जल्द बिजली पोल लगाने व स्थायी बिजली कनेक्शन प्रदान करने की मांग की है। बंजारे व टावरे ने बताया कि जोरातराई में शासन द्वारा 20 वर्ष पूर्व अम्बेडकर आवास निर्माण किया गया है। लेकिन शासन द्वारा वहां तक बिजली पोल व मकानों में स्थायी बिजली कनेक्शन प्रदान नहीं किया है जिससे अम्बेडकर आवास में बसे लोगो को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। रहवासियों के बिजली समस्या को देखते हुए बिजली विभाग के कार्यपालन अभियंता व निगम आयुक्त को अवगत किया गया है और जल्द उक्त मौहल्ले में बिजली पोल व स्थायी कनेक्शन प्रदान करने की मांग की गई है। इस दौरान भेमशंकर टावरे,दिलीप मिर्झा,अजय नायक,राकेश टांडी,धनजीत शर्मा,रेमन साहू सहित उपस्थित थे।

कुम्हारी में डॉ. खूबचंद बघेल की 124वीं जयंती, रखे विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुम्हारी

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज नगर इकाई कुम्हारी द्वारा द डॉ. खूबचंद बघेल की 124 वीं जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. खूबचंद बघेल के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। अतिथियों ने डॉ. खूबचंद बघेल के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए नारायण वर्मा ने कहा कि डॉ. खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़ निर्माण के प्रथम स्वप्न दृष्टा थे। मनोज वर्मा ने कहा कि उन्होंने देश को स्वतंत्रता दिलाने में सब कुछ न्योछावर कर दिए। उन्होंने अन्य समाजों का भी ख्याल रखते हुए ऊंच-नीच जाति भेदभाव को समाप्त कर एक-दूसरे के हित में काम करने की भावना जागृत की। मीना वर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर बघेल के जीवन पर विस्तृत

- छत्तीसगढ़ निर्माण के प्रथम स्वप्नदृष्टा थे डॉ. खूबचंद बघेल : नारायण

प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेष रूप से आजूराम वर्मा, गोविंद बघेल, पुष्पा बघेल, योगिता वर्मा, मीना वर्मा, भुवनेश्वरी बघेल, देवकी वर्मा, नंदनी वर्मा, बीना बंछोर, पुष्पा वर्मा, निर्मला वर्मा, गोंदा वर्मा, विशाल सिन्हा एवं मुनमुन वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नारायण वर्मा व आभार प्रदर्शन गोविंद बघेल ने किया ।

शिक्षा विभाग में एनजीओ की दखल बंद करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उतई

नवीन शिक्षक संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष विकास सिंह राजपूत व सचिव गिरीश साहू के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल जिला शिक्षाधिकारी दुर्ग से मुलाक़ात कर स्कूलों में एनजीओ की बढ़ती दखल को समाप्त करने की मांग की। एनजीओ के दखल के कारण शिक्षकों को पढ़ाई से ज्यादा ऑनलाइन कार्य, ऑफलाइन कार्य व प्रशिक्षण में समय देना पड़ता है। जिससे स्कूलों में शिक्षकों को विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम अनुसार पढ़ाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के गैर-शैक्षणिक कार्यों में व्यस्त करने से भी विद्यार्थियों के पढ़ाई व्यवस्था में बाधा पहुंचती है।

- नवीन शिक्षक संघ ने रखी मांग

इसलिए शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखे जाने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। साथ ही प्रधान पाठक पदोन्नति की काउंसलिंग जल्दी कर शत-प्रतिशत दिव्यांग शिक्षकों को सड़क किनारे आसपास के स्कूलों मे पदस्थ करने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में सचिव गिरीश साहू, जिलाध्यक्ष संजीव मानिकपुरी, बदिलीप देशमुख, मनीष साहू आदि मौजूद थे।

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण कर सुरक्षा का लें संकल्प: डॉ. पाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सेलूद

पर्यावरण संतुलन के लिए आरोग्य मंदिर व हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सेलूद के संयुक्त तत्वावधान में हास्पिटल परिसर में गुलमोहर, आम, जामुन, अमरुद, आम, नीबू, करोदा व फूलों के पौधे का रोपण किया गया।

- पर्यावरण संतुलन के लिए सेलूद हॉस्पिटल परिसर में किया पौधारोपण

हॉस्पिटल परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण किया गया। पहली बारिश शुरू होने के साथ ही सघन पौधारोपण किया गया । डॉ. भावना पाल ने अपील की है कि पेड़ पौधे लगाकर हम बढ़ती गर्मी व संतुलित वर्षा व पर्यावरण के असंतुलन को दूर करने के लिए सघन पौधारोपण आवश्यक है। सेलूद क्षेत्र में पर्यावरण रक्षा के लिए खाली जगहों में अधिक से अधिक पौधे लगाये जाय। ताकि वातावरण में गर्मी की कमी हो सके बड़े पौधे लगाये जो एक वर्ष के अंदर वृक्ष का रूप ले। हम सब यह भी प्रयास कर कि जो भी पेड़ लगे वो पूरी तरह सुरक्षित रहे और ग्रामीणों अधिक से अधिक पेड़ लगाये। इस अवसर पर डॉ. भावना पाल, संगीता कोठारी, भुनेश्वरी वर्मा, आशा परगनिहा, अर्जुन सिंह ठाकुर, कुमारी ज्वायसी, वंदना चौधरी व ग्रामीण मौजूद थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग)
ईश्तहार
राजस्व प्रकरण क्रमांक 202406100400295
अ-6 (अ) 2023-2024
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक हरेन्द्र नारायण मिश्रा आ. स्व. उत्तम कुमार मिश्रा साकिन आर्य नगर कोहका द्वारा ग्राम कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित ख.न. 4150/1 रकबा 0.02 हे. को इस न्यायालय के राजस्व प्रकरण, क्रमांक 2021071001000032/ अ-(अ) में पारित आदेश दिनांक 28.7.2021 के अनुसार हरेन्द्र नारायण मिश्रा आ. स्व. उत्तम कुमार मिश्रा एवं देवेन्द्र नारायण मिश्रा आ. स्व. उत्तम कुमार मिश्रा सुधार किये जाने के सबंध में आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय दुर्ग के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि को उपरोक्त अनुसार सुधार किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 5.8.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्तं आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक 18.7.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील
बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)
रा.प्र.क्र.-202407104400012
अ-74/वर्ष 2023-24
ईश्तहार
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि आवेदक गेंदलाल वर्मा पिता सूजान वर्मा साकिन चीचा तहसील बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा ग्राम चीचा प.ह.नं.-01 राजस्व निरीक्षक मण्डल बोरीबुजुर्ग तहसील बोरी स्थित भूमिस्वामी हक में दर्ज भूमि खसरा नंबर 335, 386, 421/2, 425, 438/1, 1134, रकबा 0.13, 0.38, 0.16, 0. 26, 0.37, 0.08 हे. गेंदलाल वर्मा पिता सूजान वर्मा के नाम पर राजस्व अभिलेख दर्ज हैं, का द्वितीय प्रति ऋण-पुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं। जिस पर प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः द्वितीय प्रति ऋण-पुस्तिका प्रदाय किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति / दावा हो तो वे नियत समय में स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ सुनवाई दिनांक 08.08.2024 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 19.07.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।
नायब तहसीलदार
तहसील बोर, जिला दुर्ग (छ.ग.)

बिजनेस साइट

कमला मोटर्स में अंबिका रोटावेटर की डिलेवरी

भिलाई। वर्षाऋतु कृषकों के खुशहाली का समय होता है। उसमें सावन मास का करीब आना सोने में सुहागा होता है। इसी समय देश के कृषक नई पैदावार के लिए भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए हल का प्रयोग करते-करते केजविल एवं आधुनिक उपयंत्र रोटावेटर का इस्तेमाल करने लगे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश ही नहीं अपितु अन्य राज्य के कृषक भी कृषि यंत्रों एवं उपयंत्रों की खरीददारी के लिए दुर्ग शहर के कृषि मशीनरियों के विक्रेता कमला मोटर्स में पहुंचकर अपनी पसंदीदा मशीनों की खरीददारी कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते है। बालंगीर ओडिसा के कृषक अनादि यादव ने अपने भाई दुर्योधन को खेती कार्य में उत्कृष्ट उपयंत्र रोटावेटर जो की जैकब्रों ग्लोबल इंडस्ट्रीज सूरत द्वारा निर्मित अंबिका ब्रांड के नाम से पूरे देश में जानी जाती है। कमला मोटर्स में उपलब्ध है। उपयंत्र की डिलेवरी प्रदान करने के लिए कमला मोटर्स संस्थान के प्रशिक्षक पदमेश बरमेचा, सेल्स प्रमोटर सत्या चंद्राकर, प्रशिक्षु यश पारख , मैकेनिक किशोर निषाद, आंगतुक नंदिता सावंत एवं बरमेचा एलिवेटर्स के सुपर वाइजर अजय चौधरी आदि मौजूद थे। मशीन ग्रहण करते हुए अनादि यादव , दुर्योधन यादव , पारस यादव एवं पिंटू यादव ने बताया कि आज तेजी से बढ़ते हुए आधुनिकरण के युग में पैसों का सही मूल्यांकन कर वास्तविक कीमत में बहुगतिमान (मल्टी स्पीड) उपयंत्र प्रदान करने में अंबिका का नाम सर्वविदित है।

शांति विजय क्लाथ स्टोर का भव्य शुभारंभ

भिलाई। दुर्ग थोक कपड़ा मार्केट पुलगांव दुर्ग में 'शांति विजय' क्लॉथ स्टोर-मैचिंग का भव्य शुभारंभ हुआ। पांच मंजिला 'शांति विजय' क्लॉथ स्टोर- मैचिंग स्टोर में देश के लीडिंग टेक्सटाइल ब्रांड्स बॉडीबेस्ट, एसएफटी, स्त्री, कंफर्ट लेडी, कृष्णा टेक्सटाइल, जीबी टेक्सटाइल, विजय लक्ष्मी की लक्मी ग्रुप की यूनिट पद्म श्री, देसी लेडी, 77, धनजी मूलजी, जय श्री, बीटेक्स फैशन, बीटी, तिवारी एजेंसी, बीआई टेक्सटाइल, जेपी, एमएएम, आरसी पटेल, और हैलो पार्टनर के विशाल कलेक्शन है। पांच मंजिला इस शानदार शो रुम के ग्रांउड फ्लोर में रेडीमेड हैवी ब्लाउज, प्रथम तल में कुर्ती, सलवार, सूटपीस, नाईट गाउन, नाईटी, द्वितीय तल में लेगिंस, कुर्ती पैंट, पटियाला, प्लाजो, लेडिज अंडर गारमेंट्स, तृतीय तल पर ड्रेस मटेरियल, रियॉन प्रिंट, कॉटन प्रिंट, रुबिया, बिजी-लीजी, दुप्पटा एवं स्टोल, चतुर्थ तल पर साड़ी फॉल, कॉटन अस्तर, पेटिकोट, ब्लाउज पीस, पॉपलीन और पंचम तल पर बीटी अस्तर, लम्प, थान एवं पीस का लेटेस्ट और वृहद कलेक्शन रखा गया है। 'शांति विजय' शो रुम में शुभारंभ उत्सव के दौरान 1 प्रतिशत अतिरिक्त डिस्काउंट पर आने वाले त्यौहारों के लिए खरीदारी की जा सकती है। शो रूम में रक्षाबंधन और तीजा में नगद खरीदी पर 25 हजार की नगद खरीदी पर 3 प्रतिशत की विशेष छूट, 50 हजार की खरीदी पर 4.76 प्रतिशत की विशेष छूट, 75 हजार की नगद खरीदी पर 5 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जा रही है। सभी प्रकार के कपड़ों की खरीदारी के लिए क्यू 11,12,13,14 थोक कपड़ा मार्केट पुलगांव, दुर्ग के शो रूम में विजिट किया जा सकता है।

बारिश होते ही सड़क के ऊपर आ जाता है पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सेलूद

पाटन ब्लॉक के सड़क किनारे बसे ग्रामीण व राहगीरों को सड़क में चलने से परेशानी हो रही है। ठेकेदार के द्वारा सड़क निर्माण में उचित ढाल नहीं दे पाने के कारण अंडा -फुंडा मार्ग जो ग्राम गुढ़ियारी से होकर गुजरती है। उसी गांव के सड़क के बीचों-बीच बारिश का पानी रूक जाता है। सड़क में सहीं ढलान नहीं देने के कारण हर वर्ष बारिश के समय सड़क पर पानी भर जाता है। पानी भरने के कारण पैदल राहगीरों को यहां से निकलने में परेशानी होती है। अधिक वर्षा होने की स्थिति में दोपहिया वाहन चलते-चलते सड़क पर ही बंद हो जाते हैं। वहीं चार पहिया वाहन रफ्तार से चलने पर आसपास चल रहे लोग और किनारे पर बसे घर व घर के लोगों पर कीचड़ व पानी से कपड़े व दीवाल खराब हो जाते हैं। समस्या हर साल बारिश के मौसम में ही उत्पन्न होती है। इसके बाद भी प्रशासन ने इस समस्या के निराकरण का कोई प्रयास नहीं किया। आजाद चौक गुढ़ियारी के ग्रामीणों ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के समय विभाग द्वारा सही ढाल नहीं करवाया गया है। जिसके कारण बारिश का पानी निकासी नहीं हो पाता है। पानी भरे रहने की वजह से यहां पर दलदल हो जाता है। तेज रफ्तार वाहन के गुजरने से पानी के छीटों से स्कूली बच्चों के कपड़े भी खराब हो जाते हैं।

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
BHILAI
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
• ELECTRICIAN
• FITTER 2 Year (10th Pass)
DHANORA
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
• ELECTRICIAN
2 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम धनोरा जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

Health Town
K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुवैद, स्वथ्य जीवन का राज)
वैद्य- डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob: 9111922122, 9111912122, 0771-3558564
पता :- B-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

निगम का बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रकोष्ठ एक्टिव

दुर्ग। मानसून सत्र को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ एवं आपदा की स्थिति में प्रबंधन हेतु महापौर धीरज बाकलीवाल एवं कमिश्नर लोकेश चन्द्राकर द्वारा बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ को सक्रिय होने का निर्देश दिया है क्योकि नगर निगम क्षेत्र के निचली बस्तियों में पानी भरने की संभावना बनी रहती है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष नगर निगम दुर्ग के मुख्य कार्यालय में 24 घंटे संचालित हो रहा है।

आश्रम में मनाया जाएगा गुरुपूर्णिमा महोत्सव

दुर्ग। श्री योग वेदांत सेवा समिति भिलाई दुर्ग के तत्वधान में संत आसाराम बापू आश्रम बेलौदी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव 21 जुलाईको मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी पहले से कर ली गई है। कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे से 11 बजे तक गुरु वंदना, गुरु गीता और संत श्री सदगुरु के जीवन पर आधारित आसारामायण पाठ किया जाएगा। गुरु पादुका पूजन, भजन कीर्तन और आध्यात्मिक संस्कृति कार्यक्रम भी होंगे, जिसमें बालसंस्कर के बच्चे भाग लेंगे। अंत में गुरुदेव की मंगल आरती के साथ समापन किया जाएगा। सभी के लिए महा प्रसादी की व्यवस्था की गई है उक्त जानकारी युवा सेवा संघ के ओमप्रकाश साहू ने दी।

नन्हे खिलाड़ियों के बीच शह और मात की बाजी आज

दुर्ग। प्रदेश शतरंज के मार्गदर्शन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा लोहाना महाजन समाज के सहयोग से रविवार 21 जुलाई को एक दिवसीय जिला स्तरीय अंडर 7, 9, 11 एवं अंडर 13 की शतरंज चैंपियनशिप श्री जलाराम संस्कृतिक भवन सिविल लाइन दुर्ग में आयोजित की गई है । जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं तुलसी सोनी ने बताया कि अब तक लगभग 60 खिलाड़ियों की प्रविष्ठि आ चुकी है।

गुरु पूर्णिमा पर आज लगेगा भक्तों का मेला

दुर्ग। पुलगांव नाका नवकार परिसर स्थित श्री रामदेव बाबा दरबार में आज 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरुदेव सोहनलाल बापजी की विशेष पूजा-अर्चना कर महाआरती की जाएगी। सुबह 10.30 बजे से शुरु होने वाले महोत्सव में गुरुदेव बापजी के जीवन पर आधारित भक्तिमय संगीत की प्रस्तुति भी दी जाएगी। तत्पश्चात महाप्रसादी (भंडारा)का वितरण किया जाएगा। यह समस्त धार्मिक कार्यक्रम दरबार की भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य में आयोजित किया गया है।

सांई मंदिर में गूंजेगा भजन

दुर्ग। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर में आज 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 7 बजे मंदिर के पुजारी और श्रद्धालुओं की मौजूदगी में श्री साई बाबा का जलाभिषेक, हवन-पूजन, महाआरती व प्रसादी का वितरण किया जाएगा। पर्व पर भजन मंडलियों द्वारा संगीतमय भजनों व गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

आबंटन की खुलेगी पोल, शिकायत के साथ मंगाई जाएगी आपत्तियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

राज्य शासन द्वारा नजूल जमीन के आबंटन को लेकर लिए गए फैसले से हडकंप मच गई है। कैबीनेट ने अतिक्रमित और रिक्त जमीन के आबंटन को लेकर पूरी जानकारी वेबसाइड में अपलोड किए जाने के निर्देश दिए गए है। यही नही शासन द्वारा जिस किसी को भी जमीन आबंटन की गई है। उसकी पूरी जानकारी साइड में अपलोड करने कहा है। साथ ही आबंटन को लेकर अगर कोई शिकायत और आपत्तियां आती है तो इसका निराकरण संभागायुक्त द्वारा किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि, तत्कालीन सरकार द्वारा मनमाने तरीके से रिक्त जमीनों को सामाजिक संस्थानों को बांटा था। इसके लिए संस्थानों को साधने थोक में छूट भी दी गई थी। उल्लेखनीय हैं कि, तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा नजूल जमीन के एवज में सरकारी गाइडलाइन पर निर्धारित राशि जमा करने के बाद मालिकाना हक दिए जाने की योजना लाई गई थी। इस योजना को लेकर लगातार शिकायते भी मिली थी। आबंटन को लेकर पारदर्शिता नही बरते जाने की भी शिकायत मिली थी। यही नही लोगों द्वारा शिकायत किए जाने के बाद पूर्व में नजूल के रिक्त जमीन की जानकारी साइड में देरी से डाली गई थी। जानकारी अनुसार दुर्ग शहर में अतिक्रमित जमीन को लेकर पन्द्रह से बीस लोगों को जमीन आबंटन की गई थी। वहीं रिक्त जमीन के मामले में करीब दर्जनभर को एलाटमेंट किया गया था। आबंटन किए जाने के लिए बोली लगाने का नियम था। सूत्रों की माने कई जमीनों के आबंटन में बोली तक नही लगी थी। खैर प्रशासन द्वारा साइड में जानकारी दिए जाने के बाद अफसरों द्वारा किए गए मनमानी का खुलासा हो सकता है।

नजूल जमीन आबंटन के बाद प्रशासन ने नहीं किया है नाम सार्वजनिक

फैसला पड़ताल का तरीका

मंत्रिपरिषद की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि, आबंटन को लेकर पूर्व में जारी प्रपत्रों के अंतर्गत आदेशों के तहत आबंटित भूमि की जानकारी राजस्व विभाग की वेबसाईट में प्रदर्शित की जाएगी और इस विषय में कोई भी आपत्ति और शिकायत प्राप्त होने पर संभागीय आयुक्त द्वारा इसकी सुनवाई की जाएगी। हांलाकि यह स्पष्ट नही किया गया है कि, आबंटन वाली योजना शुरू रहेगी या नही। लेकिन यह जरूरी स्पष्ट है कि, सरकार आबंटन की जानकारी को सार्वजनिक करने के बहाने गडबडी की पडताल भी करेगी।

अतिक्रमित जमीन पर ज्यादा शिकायत

दुर्ग शहर में अतिक्रमित जमीन के आबंटन को लेकर पूर्व में ज्यादा शिकायते मिली थी। रियाहसी इलाको में जमीन होने के चलते रसूखदारों की गिध्द नजर ऐसे जमीन पर पडी थी। आबंटन लेने के चक्कर में लंबे समय से अतिक्रमण होने की कहानी भी गढी गई थी। हांलाकि जांच में अब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इस योजना को लेकर सवालिया निशान इसलिए भी खडे हो रहा है कि, जिला प्रशासन द्वारा वेबसाइड में सिर्फ रिक्त जमीन की जानकारी दी गई थी। जबकि आबंटन की जानकारी साइड में नही दी गई है। वही अब भाजपा की सरकार ने इसे पारदर्शी तरीके से साइड में जानकारी देने की बात कही है। जिससे अफसरों के पसीने छूटने लगे है।

मायूसी : जिले के चार गांव से प्रशासन हटाएगा रजिस्ट्री पर लगा बैन

रायपुर-हैदराबाद कॉरिडोर की छिनी सौगात, प्रभावित गांव से हटेगा बैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट को लेकर दुर्ग जिला में कराया था सर्वे कार्य

केन्द्र सरकार द्वारा एक निर्देश जारी कर रायपुर से हैदराबाद तक बनने वाले सिक्सलेन कारीडोर की सौगात छिन ली है। केन्द्र के इस फैसले के बाद जहां प्रोजेक्ट सरकारी प्रक्रिया बंद कर दी गई है, वही रजिस्ट्री में लगे प्रतिबंध को हटाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा शुरू कर दी गई है।

उल्लेखनीय हैं कि, केन्द्र द्वारा रायपुर के अभनपुर से राजनांदगांव के टेडेसरा तक सिक्सलेन बनाई जा रही है। हांलाकि यह कार्य शुरू हो गया है। लेकिन रायपुर से हैदराबाद कारीडोर रध्द कर दिया गया है। नेशनल प्राधिकरण द्वारा रायपुर से हैदराबाद तक बनने वाले कारीडोर को लेकर सर्वे भी कर लिया गया था। इस प्रोजेक्ट के दायरे में जहां दुर्ग के करीब सवा दौ सौ से अधिक किसान प्रभावित रहे थे, वहीं मुआवजा बंटने से पहले ही इस प्रोजेक्ट को रध्द किए जाने से किसान भी निराश हो गए है। मिली जानकारी अनुसार इस प्रोजेक्ट के दायरे में दुर्ग जिले का ग्राम अंजोरा, बिरेझर, झोला और तिरगा गांव आ रहा था। जिसमे सवा दौ से अधिक किसानों की जमीने अधिग्रहित किए जाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई थी। हांलाकि पूर्व में प्राधिकरण द्वारा बिरेझर और अंजोरा को विगत छः जुलाई 2023 को प्रोजेक्ट से हटा दिया था। खैर इस प्रोजेक्ट के रध्द होने के बाद किसानों को निराशा हाथ लगी है।

लंबी दूरी ही तय करनी होगी

इस एक्सप्रेस-वे को बनाए जाने के बाद राजधानी रायपुर से हैदराबाद की दूरी भी कम होने की बातें कही गई थी। फिलहाल रायपुर से हैदराबाद जाने के लिए 780 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। नया एक्सप्रेस -वे बनने के बाद सीधे-सीधे ढाई सौ किलोमीटर की दूरी कम होने का दावा किया गया था। यानी हैदराबाद की दूरी 530 किलोमीटर हो जाती। वहीं सफर में करीबन चार घंटे का समय भी बचता। हालांकि अब इस प्रोजेक्ट को टाल दिया गया है।

बैन हटेगा, शुरू होगी रजिस्ट्री

इस प्रोजेक्ट के दायरे में आने वाले दुर्ग जिले के ग्राम अंजोरा, बिरेझर, झोला और तिरगा में प्रोजेक्ट के चलते जमीन की खरीदी बिक्री पर बैन लगा दिया गया था। लेकिन हाल ही में केन्द्र के फैसले के बाद अब इन गांव से बैन हटा दिया जाएगा। ऐसें में जल्द ही यहां के किसान जमीन की खरीदी बिक्री फिर से कर सकेगें।

इन जिलों से बनना था एक्सप्रेस-वे

मिली जानकारी के अनुसार एक्सप्रेस-वे के प्रस्ताव के मुताबिक यह रायपुर से दुर्ग, राजनांदगांव, गढ़चिरौली, गोंदपीपरी, आदिलाबाद, मैनरेरियल, रामागुंडम और करीमनगर होते हुए हैदराबाद पहुंचेगा। इसमें छत्तीसगढ़ के अंदर 104 किलोमीटर और महाराष्ट्र में 77 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस-वे बनना है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को मिलाकर टोटल 181 किलोमीटर की सड़क बनेगी। बाकी 338 किलोमीटर की सड़क आंध्रप्रदेश में बननी थी।

साढ़े चार हजार करोड़ का था प्रोजेक्ट

इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए सामान्य भूमि की दोनों तरफ मिलाकर 70 मीटर और जंगल के भीतर 45 मीटर भूमि का अधिग्रहण किया जाना था। जहां-जहां से एक्सप्रेस-वे गुजरेगा, उसके साथ लगी 506 हेक्टेयर जमीन महाराष्ट्र और 717 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण छत्तीसगढ़ में किया जाना था। इसकी लागत 45000 करोड़ थी और परियोजना का 5500 करोड़ छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के अंदर खर्च होना था।

रद्द किया गया

" रायपुर से हैदराबाद प्रोजेक्ट में दुर्ग जिले के चार गांव आ रहे थे। इसमें दो गांव पहले ही हटा दिए गए थे। बहरहाल प्रोजेक्ट बंद कर दिया गया है। बैन जल्द खुलेगी। **-मुकेश रावटे**, एसडीएम, दुर्ग

भूपेश ने कहा: महतारी वंदन का पोर्टल किया बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

आगामी चौबीस जुलाई को विधानसभा घेराव कार्यक्रम को लेकर बैठक में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री

■ चौबीस जुलाई को विस घेराव करने बनी रणनीति

भूपेश बघेल ने कहा है कि, महतारी वंदन का पोर्टल राज्य शासन ने बंद कर दिया है। जिसके चलते ऐसी महिलाएं जो शादी होकर आई है, वे योजना का लाभ नही ले पा रही है। इसके आलावा उन्होने भाजपा सरकार को राशन कम देने और लगातार अपराध बढने के चलते घेराव किया।

शनिवार को दुर्ग के राजीव भवन में आयोजित जिला कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक रखी गई थी। इस दौरान कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आव्हान कराया गया। इस दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि, भाजपा सरकार के शासन में बढ़ते अपराध, अपहरण, लूटपाट, हत्या, और हाल ही में बलौदाबाजार में घटित आगजनी के खिलाफ किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, रायपुर से लेकर बस्तर तक चोरी, डकैती और बालात्कार जैसे अपराध आम हो गए है। उन्होने कहा कि, प्रदेश में सरकार कौन चला रहा है यह समझ से परे है। उन्होने कहा कि सीएम साय रिमोट कंट्रोल की तरह काम कर रहे है, वही दो-दो सीएम होने के बाद भी प्रदेश में ऐसी स्थिति है। उन्होने कहा कि, पांच साल संघर्ष करने के बाद आगामी 2028 में फिर से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, और पूर्व मंत्री एवं विधायक अरुण वोरा, सभापति राजेश यादव, प्रदीप चौबे, बद्रुद्दीन कुरेशी, शंकर ताम्रकार, प्रतिमा चंद्राकर, आरएन वर्मा, निर्मल कोसरे, मुकेश चंद्राकर, रिसाली की महापौर शशि सिन्हा, अल्ताफ़ अहमद, शिजू अंथोनी तीनों जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षद, जिपं. अध्यक्ष, युवा कांग्रेस, महिला सेवादल विंग के अध्यक्ष एवं अन्य सभी प्रमुख सदस्य शामिल हुए।

दुर्ग-भिलाई को बताया राजनीति का केन्द्र बिन्दु

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व विधायक अरूण वोरा की ओर इशारा करते हुए कहा कि, प्रदेश की राजनीति में दुर्ग व भिलाई केन्द्र बिन्दु रहा है। इधर पूर्व मंत्री अरुण वोरा ने कहा कि दुर्ग शहर से हजारों की संख्या में लोग विधानसभा घेराव में शामिल होंगे और यह प्रदर्शन भाजपा सरकार के खिलाफ जनभावनाओं की ताकत को प्रदर्शित करेगा। बैठक के दौरान राजीव भवन में कार्यकर्ताओं की बैठने तक की व्यवस्था नही की गई थी। जिससे कई लोग नेताओं के भाषण खडे खडे सुनने मजबूर दिखे।

सर-मैडम नहीं दीदी और भैया शब्दों का हो इस्तेमाल: हिंदू सेवा संगठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

हिन्दू शक्ति सेवा संगठन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम ज्ञापन सौंपकर भारत मे महिला उत्पीड़न में कमी लाने सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में प्रयुक्त होने वाले शब्द सर मेडम की जगह दीदी और भैया शब्दों के इस्तेमाल करने की मांग की है।

■ प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

संगठन प्रमुख तामेश तिवारी ने बताया कि भारत सरकार यदि दीदी भैया बोलने के शब्दों को अनिवार्य करे तो महिला उत्पीड़न में भारी कमी आएगी क्योंकि भारत एक धर्म प्रधान देश है। महिला प्रधान देश है यहाँ रिश्तों और भावनाओं को विशेष महत्व दिया जाता है। जब हम किसी को दीदी या भैया शब्दो से संबोधित करते है तो उसके प्रति हमारी भावना बदल जाती है फिर उसके प्रति हमारे मन में गंदे विचार नहीं आते। जिस जिस कार्यक्षेत्र में महिला पुरुष साथ में काम करते है उन सभी क्षेत्रों में दीदी भैया बोला जाए तो काम भी अच्छे से होगा और किसी पर काम का कोई दबाव भी नहीं होगा। कोई काम को लेकर टेंशन या डिप्रेशन में नही जाएगा। तिवारी ने बताया कि सरकार के साथ साथ निजी बढ़ी कंपनियां रिलाइंस, टाटा, अडानी समूह की कंपनियों को भी पत्र व मेल के माध्यम से अपनी अपनी संस्थानों में सर मेडम की जगह दीदी भैया बोलने का अनुरोध किया गया है । इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष तोषानंद शुक्ला, डाली साहू, केसरी देवांगन, मनोज चौरसिया, दीपक, सेल शुक्ला आदि शामिल थे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान दूसरे दिन भी जारी, दुकानों से हटाए कब्जे

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

राजस्व विभाग एवं अतिक्रमण विभाग टीम ने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर चंडी मंदिर चौक से लेकर मान होटल तक अतिक्रमण हटाओ अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा।

■ पसरा लगाकर व्यवसाय करने वालों को दी चेतावनी

इस दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर ने कार्रवाही के मौके पर दुकानदारों को दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने की हिदायत दी। सड़क किनारे रखें ठेले को जेसीबी की मदद से तोड़कर हटाया गया। इससे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। उन्होंने ने दुकानदारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि दुकानदार दुकानों के सामने अतिक्रमण न करें। अगर कोई दुकानदार अतिक्रमण करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ चालान कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। हाथठेले व सड़क घेरकर पसरा लगाकर सब्जी बेचने वालों को चेतावनी दी कि अगर वह सड़क पर दिखाई देंगे तो कार्रवाई की जाएगी। जेसीबी से चंडी मंदिर रोड पर अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया। इस मौके पर राजस्व विभाग संजय मिश्रा, लक्ष्य, शिवा परिहार, राजदीप कसार, विनीत वर्मा, नीरज, कपिल, मन्नी, धनेश, उमेश पात्रे व अतिक्रमण तोड़ूदस्ता टीम के कर्मचारीगण मौजूद रहे। सुगम यातायात एवं व्यवस्थित पार्किंग के तहत नगर निगम का यह अभियान चल रहा है। कार्रवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर ने बताया कि बाजार क्षेत्र व्यवसायिक क्षेत्र होने से वहां पर भारी संख्या वाहनों की आवाजाही होती रहती है। हमेशा भीड़ भाड़ वाले इस मार्ग पर बड़े-छोटे सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही दिनभर होती रहती है। इस कारण ट्रैफिक का दबाव रहता है। वहां अक्सर जाम की स्थिति बन जाती थी।

विगत दो दिनों की बारिश से किसानों ने ली राहत की सांस

छलका मोंगरा बैराज, छोड़े 36 हजार क्यूसेक पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

पिछले दो दिनों की बारिश से मोंगरा बैराज लबालब हो गया है। जिसके चलते शनिवार को 36 हजार क्यूसेक पानी छोडा गया है। बैराज से छोडा गया पानी रविवार को महमरा एनीकट पहुंच जाएगा। बहरहाल नदी किनारे के गांव में मुनादी करा दी गई है।

■ शिवनाथ नदी का बढ़ेगा जलस्तर

इससे पहले दुर्ग में पेयजल के लिए बैराज से पानी मांगा गया था। लेकिन वर्तमान में बारिश के बाद बैराज के झलकते ही पानी छोडा गया है। जिससे महमरा एनीकट में जलस्तर बढ जाएगा। बीती रात हुई झमाझम बारिश के बाद राजनांदगांव जिला स्थित मोंगरा बैराज से शिवनाथ नदी में 36 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वहीं नदी में स्थानीय नालों से भी पानी का आवक शुरू होने पर इस सीजन में पहली बार शिवनाथ नदी पर स्थित महमरा एनीकट भी छलकने लगा है। जिले में आज 22 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। जानकारी के अनुसार सबसे पहले शनिवार को सुबह मोंगरा से शिवनाथ नदी में 2000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, फिर इसे धीरे धीरे बढ़ाकर दोपहर 2 बजे 36 हजार क्यूसेक कर दिया गया। मोंगरा से शिवनाथ में छोड़े गए इस पानी का प्रवाह जिले की सीमा में रविवार सुबह तक पहुंच जाने की संभावना है

जिले में सबसे ज्यादा पाटन में बारिश

बीती रात जिले में सबसे ज्यादा पाटन तहसील अंतर्गत 51.8 मिमी बारिश हुई जिसे मिलाकर क्षेत्र में अब तक कुल 370 मिमी वर्षा हो चुकी है इसी प्रकार दुर्ग 20.2, अहिवारा 16.5, बोरी 16, धमधा 8.8 एवं भिलाई 3 तहसील में 19 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई] वहीं जिले में अब तक 206.4 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है जो कि अभी भी जिले में आज की तिथि में सामान्य औसत वर्षा 279.8 मिमी से 73.4 मिमी कम है।

मैदानी अधिकारी को एलर्ट रहने निर्देश

तहसीलदार पीआर सलामे ने बताया कि, सिंचाई विभाग द्वारा बैराज से पानी छोड़ने की सूचना मिलने के बाद आरआई, पटवारी, सरपंच, सचिव सभी को एलर्ट रहने कहा गया है। विभाग के मैदानी अमले अलर्ट मोड में रहेंगे, साथ ही मोगरा से छोड़े गए पानी की वजह से जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए नदी तट के ग्रामों में मुनादी कराकर नदी के बहाव वाले क्षेत्रों में लोगों को नहीं जाने एवं बहाव क्षेत्र से मवेशी आदि को बाहर निकालने कहा गया है।

पेरिस की अदा

लाइव इवेंट

रूमेटोलॉजी में विशेष योगदान के लिए डॉ. राजर्षी दुबई में हुए सम्मानित

भिलाई। द्वितीय विश्व होम्योपैथी समिट का आयोजन दुबई में आयोजित किया गया था। जिसमें भिलाई के डॉ राजर्षी मिश्रा को सम्मानित किया गया। आयोजन में विश्व के विभिन्न देशों से होम्योपैथी चिकित्सा में अपने क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले डाक्टरों का सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ से इस सम्मान समारोह में डॉ. राजर्षी मिश्रा को रूमेटोलॉजी मे विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आयोजन बर्नेट होम्यो पैथी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया।

इस सम्मान समारोह में विशेष रूप से क्रिकेटर जोंटी रूड, सनथ जयसूर्या, क्रिस गेल, फिल्मी हस्ती अनुपम खेर, रवि किशन, कुमार विश्वास, मनोज तिवारी जैसे हस्तियां सम्मिलित हुई। दुबई के 7 स्टार होटल बुर्ज अल अरब में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ राजर्षी मिश्रा सबसे कम उम्र के चिकित्सक थे। डॉ राजर्षी के भिलाई आगमन पर उनकी इस विश्व स्तरीय उपलब्धि के लिए शहर वासियों द्वारा उनका स्वागत किया गया।

● जो पढ़ेगा वही अपना भविष्य गढ़ेगा, एक पेड़ मां के नाम लगाने दिया संदेश

दुर्ग केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थी लगाएंगे 1000 पौधे, कल से चलेगा महा अभियान

पर्यावरण का संरक्षण करना अति आवश्यक है यह बात इस बार पड़ने वाली गर्मी व बारिश कम होने से होने वाले नुकसान के देखते हुए सभी को समझ में आ रही है जिसके लिए जगह-जगह पौध रोपण करने व उसे सहेजने का आहवान लोगो से किया जा रहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में एक हजार पौधरोपण का संकल्प लिया गया।

भिलाई। केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में शनिवार को विद्यार्थियों का अलंकरण समारोह आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने एक हजार पौधे लगाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक गजेंद्र यादव का स्काउट विभाग के सौम्या देशमुख व अयाद खान ने मुख्य अतिथि की अगवानी की। स्कूल की गतिविधियों को संचालित करने 12 विद्यार्थियों को बैच लगाकर जिम्मेदारी सौंपी गई।

सोमवार से होगी अभियान की शुरूआत

प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने कहा विद्यालय के विभिन्न गतिविधि संचालित करने तथा बच्चों के भीतर नेतृत्व क्षमता की को विकसित करने आज विद्यार्थी परिषद का गठन कर अलंकरण समारोह में जिम्मेदारी दी जा रही है। डॉ अजय आर्य ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों के बीच प्रकृति एवं पर्यावरण से जोड़ने केंद्रीय विद्यालय में सोमवार से कार्यक्रम के प्रथम चरण में विद्यालय द्वारा छात्र-छात्राओं को 1000 पौधे वितरित किए जाएंगे और सभी के अभिभावकों से आह्वान किया गया है कि बच्चों को पेड़ लगाए तथा पौधे को पेड़ बनने तक उसकी रक्षा करे। विद्यालय के बच्चे 1000 अलग-अलग स्थान में पौधे रोपित करेंगे। कार्यक्रम का संचालन पुरुषोत्तम साहू एवं रामाशीष चौहान ने किया।

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन जरुरी- गजेंद्र यादव

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गजेंद्र यादव ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय में पढ़ना सौभाग्य की बात है। बड़े होकर व्यापारी, राजनीति, नौकरी किसी भी क्षेत्र में जाना चाहे शिक्षा का महत्व सभी जगह है। उन्होंने शिक्षकों को पढ़ाई के साथ नैतिक मूल्यों की जानकारी देने अपील की, विद्यार्थी जीवन में अनुशासन बहुत जरूरी है यह जीवनभर काम आएगा। जो पढ़ेगा वही अपना भविष्य गढ़ेगा। इस दौरान विधायक श्री यादव ने विद्यार्थियों से अपील की की अपने जन्मदिन पर एक पौधा जरूर लगाए और उसकी रक्षा करे। जैसे मां के बगैर हमारा अस्तित्व नहीं है वैसे ही प्रकृति के बिना भी हमारा अस्तित्व नहीं है इस बात की महत्ता को समझना होगा। सभी बच्चों ने विधायक की अपील पर एक पौधा मां के नाम लगाने की शपथ ली। जिसकी शुरूआत स्कूल में पढ़ने वाले आर्दश नाम के बच्चें का आज जिसका जन्मदिन था जिसे विधायक द्वारा ग्रीटिंग कार्ड देकर उनके मां के नाम पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत किये।

बैच लगाकर बढ़ाया बच्चों का उत्साह

इस दौरान विद्यार्थी परिषद के कप्तान को बैच प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। विद्यालय कप्तान तुषार ठाकुर, बालिका मोशू, पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप सीसीए कप्तान बालक ओम माली, बालिका नीतिका सिदार, खेल कप्तान राहुल, श्रेया तिवारी, पब्लिकेशन कप्तान सौम्य देशमुख, तमन्ना तिवारी को पद की जिम्मेंदारी के साथ बैच प्रदान किया गया।

सिटी इवेंट

बस्ताविहीन दिवस में बच्चों ने की मधुबनी पेंटिंग, शोपीस बनाकर दिखाई कला

भिलाई। बच्चों के शारीरिक व बौद्धिक विकास के लिए विभागीय निर्देश पर प्रत्येक शनिवार को बच्चों को वास्तवहीन दिवस के दिन अपने मौलिक कौशलों को विकसित करने का पूरा अवसर शालाओं में दिया जाता है। इसी कड़ी में

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चरोदा भिलाई में प्राचार्य जे.पी. श्याम के मार्गदर्शन में कक्षावार शिक्षकों द्वारा चित्रकला, हस्तकला एवं विषय आधारित मॉडल, खिलौने आदि बनाने की प्रेरणा दी गई है। नवाचारी शिक्षक व प्रधान पाठक राम कुमार वर्मा ने बच्चों को बिहार राज्य में प्रचलित नारी प्रधान लोक चित्रकला शैली मधुबनी की सैद्धांतिक जानकारी देकर प्रायोगिक अभ्यास कराया। बच्चों को यह भी बताया गया कि मधुबनी बिहार राज्य की एक लोकप्रिय जिला है। जहां की महिलाओं ने शताब्दियों पूर्व भित्ति चित्रांकन की शुरुआत की जो की पूरी तरह से लोक अनुष्ठानिक चित्र है।

शनिवार को बच्चों ने दुर्गा माता लक्ष्मी, माता दुर्गा का चित्रांकन कर उनके प्रति चिन्हों को पहचानने का प्रयास किया। अन्य कक्षाओं में बच्चों ने राष्ट्रीय पक्षी मयूर का पेपर क्राफ्ट के द्वारा निर्माण किया। वहीं गृह सज्जा के लिए हैंगिंग शोपीस का भी निर्माण किया। इसमें शिक्षक रजत हालदार, रोशन वर्मा, हुसैन, शिपतेन शेख, शिक्षिका निधिता यादव, दीपांजली पाटनवार,शिखा बोहरे, मयूरी फड़के, दीपिका पटेल, रोहिणी सिंह आदि ने सक्रियता से सहयोग किया।

मधुबनी लोक संस्कृति पर आधारित

यह लोक चित्रकला शैली की उत्पत्ति त्रैतायुग में हुई थी। राजा जनक ने सीता का स्वयंवर कराने के बाद अयोध्या से राम की बारात आगमन पर पूरी जनकपुरी को मांगलिक और देवी-देवताओं, लोक संस्कृति से सुसज्जित कराया था। तब से यह आज तक यह चित्र कला मिथिला अंचल सहित देश-विदेश में लोकप्रिय हो गया है। इसमें माता लक्ष्मी, दुर्गा काली सहित जनजीवन का चित्रांकन कर चटकदार रंगों से चित्रित किया जाता है। इस शैली की चर्चा विश्व भर में होती है। यहां तक इस पर आधारित डाक टिकट, एटीएम कार्ड, बिहार राज्य से गुजरने वाली रेल गाड़ियों में भी मधुबनी की पेंटिंग कराई गई है। यह बिहार सहित भारत की लोकप्रिय लोक चित्रकला शैली है।

उद्यमी के रुप में विपणन क्षेत्र में रोजगार के अवसर, व्याख्यान मे दी जानकारी

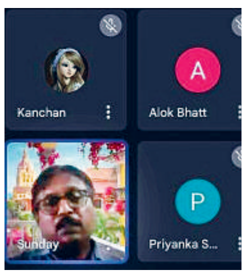

भिलाई। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में ऑनलाइन विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय एक उद्यमी के रुप में विपणन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर थे। इस दौरान मुख्य वक्ता दीपक रंजन दास असिस्टेंट प्रोफेसर एम.जे. कॉलेज भिलाई ने विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विपणन के क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। इसके लिए दक्षता का होना अतिआवश्यक है। उन्होंने उद्यमी बनने में आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया और उसके समाधान के उपाय भी बताए। उन्होंने निजी अनुभव भी साझा किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि साइड बिजनेस वर्तमान समय में रोजगार का अच्छा विकल्प है। इससे लाभ कैसे कमाया जाता है, इसके बारे में भी बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. काजोल दत्ता प्रोफेसर वाणिज्य विभाग ने किया और स्वागत वक्ता डॉ आलोक भट्ट, अधिष्ठाता अकादमिक ने दिया। डॉ. नम्रता गाइन, अधिष्ठाता वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस विशेष व्याख्यान में शिवी कुशवाहा, श्वेता कुमारी, प्रियंका साहू, मेघा, डॉ. स्वाति पाण्डेय, डॉ. निधि वर्मा, डॉ. समन सिद्धिकी, डॉ. मनोज कुमार मौर्य, डॉ. प्रतिभा कुरुप, डॉ. नीना सिंह, डॉ. निमिषा, डॉ. के.सी. भगत, डॉ. अजय सिंह, डॉ. के.डी. त्रिपाठी, डॉ. गुरु सरन लाल सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे।

डॉ. खूबचंद बघेल जयंती एवं माटीपुत्र सम्मान समारोह आज

भिलाई। मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज भिलाई द्वारा इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व साहित्यकार स्व.डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती समारोह पूर्वक मनाई जाएगी।

जयंती समारोह का आयोजन रविवार की शाम 5 बजे कूर्मि भवन सेक्टर-7 भिलाई में किया जाएगा।

इस दौरान मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, विशिष्ट आतिथि विधायक देवेंद्र यादव, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग राजप्रधान दुलारी वर्मा उपस्थित रहेंगे।

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के उपाध्यक्ष आत्माराम नायक ने बताया कि इस अवसर पर समाज सेवी व

पर्यावरण संरक्षक बालूराम वर्मा को 9वें माटीपुत्र सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। साथ ही इस अवसर पर सदस्यों को सेवानिवृत्त सम्मान, छात्रप्रतिभा सम्मान एवं विशेष प्रतिभा सम्मान से सम्मनित किया जाएगा।

एक साल के अंदर संस्था ने किए बेहतरीन कार्य

शिक्षा, सेवा व संस्कार सिखाकर जीतो लेडिज विंग दुर्ग-भिलाई को मिले कई अवॉर्ड, सदस्याएं हुई सम्मानित

भिलाई। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) की दुर्ग - भिलाई लेडिज विंग को सर्वोत्तम कार्यों के लिये सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। जीतो आर्गनाइजेशन एक समाज सेवा एवं महिलाओं को अग्रसर करने वाली संस्था है जहां उन्हें स्वावलंबन कि दिशा में आगे बढ़ने प्रेरित किया जाता है।

दुर्ग चेयरपर्सन रचना महावीर जैन व कुसुम श्रीमाल के नेतृत्व में जीतो लेडीज विंग दुर्ग का गठन पिछले साल अगस्त में किया गया था। एक साल के अंदर ही बहुत कम समय में संस्था बहुत सी उपलब्धियों को हासिल कर नये कीर्तिमान स्थापित किए है। 9 महीनों में संस्था ने लगभग सौ सदस्यों के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

जीतो लेडीज विंग दुर्ग की चेयरपर्सन रचना जैन एवं चीफ सेक्रेटरी शिखा बरड़ियां, पायल लोढ़ा, कृतिका चोपड़ा, प्रतीक्षा गोलछा, रुचि कासलीवाल एवं परिधि मोदी दवरा भिलाई स्टील प्लांट की विज़िट, साधु भगवंतों का मेडिकल चेकअप, उन्हें पीएचएम कार्ड उपलब्ध कराना, मंत्रों की महिमा, गौ सेवा व जरूरतमंदों को अन्न दान आदि सेवा कार्य संस्था द्वारा किए जा चुके है। रचना जैन ने बताया कि जीतो लेडिज विंग की अवार्ड सेरेमनी समीक्षा 2022-24 का आयोजन गोवा में किया गया। जिसमें देश के लगभग दो सौ से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इस अवार्ड फंक्शन में लेडीज विंग चेयरपर्सन संगीता लालवानी, जीतो अपेक्स चेयरमेन कांतिलाल ओस्वाल, सेक्रेटरी संजय जैन द्वारा भिलाई-दुर्ग की संस्था को बेहतरीन कार्यो के लिए अवार्ड देकर सम्मनित किया गया।

समाज हित में संस्था करती है योगदान

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) एक अंतरर्राष्ट्रीय संस्था है, जो बहुत बड़े स्तर पर शिक्षा, सेवा, संस्कार तथा बिज़नेस नेटवर्किंग का कार्य करती है। तथा कई वर्षों से देश और विदेश में भी समाज के हित में अपना योगदान दे रही है। कार्यक्रम में अपेक्स डायरेक्टर जयकुमार बैद, अशोक पटवा, चीफ सेक्रेट्री कन्हैया लुनावत, सेकेट्ररी संदीप झाबक, कोषाध्यक्ष आलोक जैन, चैप्टर कन्वीनर सुशील बरलोटा, ज़ोन कन्वीवर कुसुम श्रीमाल, यूथ विंग चेयरमैन प्रखर तालेड़ा, चीफ सेकेट्री ऋषभ पारख, कन्वेनर अभिलेश कटारियां एवं सीए महावीर जैन उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

मतदाता अभिनंदन समारोह में दिखा उत्साह, कार्यकर्ता हुए सम्मानित

भिलाई। मतदाता अभिनंदन समारोह का आयोजन अय्यप्पा मंदिर सेक्टर 2 भिलाई नगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि भिलाई लघु भारत है। आर्थिक भौतिक सभी लोग निवासरत है। मुझे 34 देशों में जाने का अवसर मिला। वहां पर भी भिलाई के बच्चे मुझे मिलें। देश के कुछ हिस्सों में कांग्रेस ने ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश की उन्होंने भ्रम फैलाया की संविधान में संशोधन करेंगे। इससे पहले भी संविधान में संशोधन किया गया। देश हित में जितने भी संशोधन हुए है संविधान के निर्माण की मूल प्रति आज भी रखी हुई है। संविधान में पहली बार पंथनिरपेक्ष लिखा हुआ है।

सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता महेंद्र प्रताप सिंह जो चुनाव में अपने तीन चक्के की गाड़ी में घुमाते हुए घर-घर मतदाताओं को समझाने का काम करते थे। इस अवसर पर पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, महेश वर्मा भाजपा जिलाध्यक्ष, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष स्वीटी कौशिक, भाजयुमो जिलाध्यक्ष अमित मिश्रा, प्रीतपाल बेलचंदन, योगेन्द्र सिंह, रामखिलावन साहु, तुलसी साहू, गजानंद बंछोर, तिलक राज यादव, रश्मि सिंह सहित हजारों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धर्म लाइव

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज करेगा प्रतिभावान बच्चों का सम्मान

भिलाई। सरयूपारीण ब्राह्मण समाज के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा ने की। बैठक को संबोधित करते हुए रामलखन मिश्रा ने कहा कि समाज के सभी होनहार और प्रतिभावान बच्चों को हर साल की तरह इस वर्ष भी उनका मनोबल बढ़ाने और उत्साहवर्धन करने प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 1 सितंबर को दोपहर 2.30 बजे सरयूपारीण ब्राह्मण समाज के भवन स्मृति नगर में आयोजित किया जाएगा। बैठक के दौरान उपाध्यक्ष नागेंद्र पांडेय ने कहा कि क्लास 5वीं से 12वीं के 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों के साथ महाविद्यालय, विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों व खेलकूद या अन्य क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभा शाली बच्चों को समाज द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए पालकों को बच्चों की अंक सूची सहित सभी जरुरी दस्तावेज 20 अगस्त तक समाज के भवन में जमा करने को कहा गया।

संबोधित करते हुए प्रभुनाथ मिश्रा ने कहा कि समाज के लिए गौरव का बात है कि हमारे समाज के बच्चे आगे बढ़े और देश का नाम रोशन करे। संचालन महासचिव रामलखन मिश्रा ने किया। बच्चों का उत्साहवर्धन करने यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। बैठक में प्रभुनाथ मिश्रा, रामलखन मिश्रा, सुभाष तिवारी, नागेंद्र पांडेय, रविंद्र शुक्ला, डॉ अखिलेश त्रिपाठी, दिनेश मिश्रा, संजय मिश्रा, रामविलास मिश्रा, सुनिल मिश्रा, कैलाश पाठक, राकेश पांडेय सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आयोजन

स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे पांच सौ अधिक लोग, 70 यूनिट ब्लड डोनेट

भिलाई। हाईटेक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और मनोज राजपूत लेआउट्स प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा और रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 500 से अधिक लोग शामिल हुए और 70 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया। यह आयोजन दुर्ग सिकोला बाईपास, बाफना टोलप्लाजा के पास मनोज राजपूत लेआउट्स कैंपस में किया गया। शिविर में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक लोगों की भीड़ उमड़ी। हाई टेक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने अपने अनुभवी डॉक्टरों की टीम के साथ शिविर में हिस्सा लिया। डॉक्टरों में हृदय रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजस्टि, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेफ्रोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक सर्जन पहुचे थे। शिविर में पहुचने वालों का निःशुल्क ईसीजी जांच, सामान्य स्वास्थ्य जांच और निदान परीक्षण जैसी सेवाएं दी गई। स्थानीय रक्त आपूर्ति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालो को विशेष धन्यवाद दिया गया इसके अलावा उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लोगों की है स्वास्थ्य की चिंता

एमआर लेआउट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक मनोज राजपूत ने शिविर को सफल बनाने के लिए अपना बड़ा योगदान दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार का आयोजन करते रहेंगे। जिससे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके। मनोज राजपुत ने दुर्ग भिलाई क्षेत्र में सामाजिक कल्याण के लिए कई गतिविधिया संचालित की हैं। अब तक 100 से अधिक गायों के लिए भोजन की व्यवस्था करना, बेघर डॉग को रोटी खिलाना, जरूरतमंद लोगों को प्रतिदिन 100 भोजन प्रदान करना प्रमुख है।

चातुर्मास का है विशेष महत्व, एक विशेष जगह रुककर जैन मुनि करते हैं साधना

चातुर्मास प्रारंभ के साथ नियत स्थानों पर पहुंचे साधु-संत, चार माह तक बहेगी भक्ति की धारा

हिंदू धर्म के अलावा जैन धर्म में भी चातुर्मास का विशेष महत्व व कड़े नियमों का पालन होता है। शनिवार से चार्तुमास की शुरुआत हो रही है। हिंदू धर्म में चातुर्मास को चौमासा भी कहा जाता है। इस चौमासे में माना जाता है कि भगवान विष्णु निद्रासन में चले जाते हैं तो इस दौरान सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं। इसी तरह जैन धर्म में भी चार्तुमास का काफी महत्व है। इन चार महीनों में जैन संत एक ही स्थान पर रहकर साधना और पूजा पाठ करते हैं। साथ इस दौरान सूक्ष्म जीव ज्यादा पैदा होते हैं, जिससे मनुष्यों के ज्यादा चलने या उठने बैठने से जीवों की हत्या होती है। इसलिए जैन संत इन चार महीनों के लिए एक ही जगह ठहर जाते हैं। इस समय ध्यान और साधना करते हैं। इसी चातुर्मास में पर्युषण पर्व भी मनाया जाता है।

भिलाई। जैन धर्म आराधना का पावन अवसर साधु साध्वी भगवंतो के सानिध्य में शनिवार से चयनित चार्तुमास स्थल पर जैन साधु-साध्वी, भगवंत पहुंच चुके है। धर्म आराधना की समय सारिणी भी तैयार हो चुकी है। सामयिक प्रतिक्रमण, प्रार्थना, पूजा दर्शन आदि धार्मिक क्रियाओं में श्रावक-श्राविकाएं अपने आपको नियमित जोड़ने के लिए अपनी दिनचर्या को चुस्त दुरुस्त करने लगे है।

साधु साध्वी भगवंतो का विचरण चार माह तक बंद

चातुर्मास के वर्षाकाल में जीव उत्पति अधिक होती है जीवों की रक्षात्मक दृष्टि से इन चार महीनों विचरण पर विराम लगाकर जैन धर्म प्रेमियों को सद्मार्ग की राह दिखाते हुए साधु-साध्वी जन स्वयं आत्मकल्याण के पथ को सुदृढ़ बनाते है।

इन नियमों का करते हैं पालन

जैन समाज इन दिनों सूरज ढलने से पहले भोजन कर इन चार महीनों के दौरान भौतिक सुख-सुविधाएं का त्याग कर देते हैं और सयंमित जीवन जीते हैं। इन चार महीनों में साफ-सफाई और जीव हत्या किये बिना घर का बना हुआ भोजन खाया जाता है।

चातुर्मास में साधु संत यहां रहेंगे विराजमान

नगरी में विवेक सागर महाराज, प्रशम सागर डौंडी लोहारा, अंजना मसा देवकर, श्रमण संघ सतीश मुनि आदि ठाणा 4 कवर्धा, विजय श्रीजी बेरला, अक्षय मुनि आदि ठाणा 2 बालोद, प्रमिला और ऋषभ सागर महाराज बालोद में भक्ति की धारा प्रवाहित करेंगे।

चातुर्मास में इन चीजों का नहीं करते सेवन,,,,

जैन धर्म में चतुर्मास के दौरान साधना और तप के अलावा कई खाने की चीजों का सेवन नहीं किया जाता हैं। चातुर्मास के दौरान जैन संत करेला, कद्दू, भिंडी, गवार फली, राजमा, तेंदुफल, अखरोट, आइसक्रीम सोयाबीन, कुंदरू, दही फ्रिज में रखी गई हर वास्तु चीकू, आलू बुखारा, कमरख, अंगीठा अष्टमी और चतुर्दशी को दूध छाछ और हरि पत्ती वाली सब्जियों का त्याग करते हैं।

चातुर्मास ने अनेकों जैन संत दिए

समाज के वरिष्ठ गौतम चंद चौरड़िया, गोवर्धन चंद कोचर कहते है कि जैन धर्म का पालन करने वाले अनेकों अजैन चातुर्मास में ऐसे आराधना में लीन हुए कि वे नामी गिरामी जैन संत बनकर मानव समाज को दिशा दिए और आत्मकल्याण के पथ पर आगे बढ़े।

जागरुकता

बच्चों ने ग्रीन डे पर दिया पेड़ लगाने व जल संरक्षण का संदेश

भिलाई। मानसून में जब चारों ओर हरियाली दिखाई देती है तो मन प्रफुल्लित हो उठता है। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से पर्यावरण को काफी नुकसान भी हो रहा है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने सन वैली पब्लिक स्कूल कोहका में ग्रीन डे सेलिब्रेट किया गया। इस दौरान बच्चों को हरे रंग के द्वारा पर्यावरण की सुंदरता तथा प्रकृति को सहेजने अनेक जानकारी दी गई। बच्चों ने हरे रंग के विभिन्न कट आउट से पेड़ व जंगल काटने को रोकने सहित जल संरक्षण का नाटक के माध्यम से संदेश दिया। स्कूल की प्रिंसिपल द्वारा बच्चों व उनके पालकों को अधिक से अधिक पौधरोपण कर उसे सहेजने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल खुशबू मंडल, इंचार्ज तारा, शिक्षिकाएं वृंदा, दुर्गा प्रसाद, दुर्गा यादव, सीमा, ज्योति, बबीता, रीना, तामेश्वरी, देवांशु, धीरज, उत्तरा, सुनंदा सहित सभी स्टाफ मौजूद थे।

चिंटू-पिंटू बोलना बंद करें-आचार्य डॉ. अजय

बच्चों को नाम का अर्थ उन्हें बताएं और प्रेरक नाम से पुकारे

भिलाई। नामकरण सत्संग का आयोजन ऋषभ कालोनी में किया गया। वेद मंत्रों का उच्चारण करते हुए अग्नि में आहुति आचार्य जगबंधु शास्त्री द्वारा दी गई।

डॉ अजय आर्य ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा का नाम लेने से परमात्मा की प्रति प्रीति और अनुराग बढ़ता है। इसलिए नाम जप नाम कीर्तन आदि की परंपरा सनातन धर्म में है। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद कहते थे कि व्यक्ति का नाम ऐसा होना चाहिए जिससे उसे प्रेरणा मिलती रहे। इसीलिए नाम को सार्थक करना ही नाम करण संस्कार कहलाता है। जब भी बच्चों का नाम रखें उसे उसके नाम का अर्थ जरूर बताएं और उसी नाम से पुकारे। बच्चों को चिंटू-पिंटू बुलाना छोड़ दें। बच्चों को अपने नाम का अर्थ मालूम होना चाहिए। यह माता-पिता की जिम्मेदारी है। अच्छे नाम रखें और उसे नाम को सार्थक करने की प्रेरणा लगातार बच्चों को देते रहे।

शालिनी को डॉक्टर की उपाधि

भिलाई। डॉ शालिनी तिवारी रूआबॉधा सेक्टर निवासी को मैट्स विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

उन्होंने पीएचडी डॉ नितिन कल्ला के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में चयनित लौह और इस्पात कंपनियों में ईआरपी कार्यान्वयन के बाद प्रदर्शन का मूल्यांकन के विषय पर उपाधि ली।

वे वर्तमान में केसरी नंदन चैरिटेबल ट्रस्ट के डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने पति अरुण तिवारी एवं अपने परिवार को दिया है।

गुरु पूर्णिमा पर होगा विशेष आयोजन

मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में लगता है संतों का मेला

कार्नर न्यूज

गुण्डरदेही विधान सभा क्षेत्र बालोद जिले के अंतिम छोर पर बसे तांदूला नदी के किनारे सिकोला ग्राम में आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशेष आयोजन किया जाएगा। यहां वर्षों से संतों का जमावड़ा होता आया है। यहां पर अमराई के बीच स्थित श्री मुक्तेश्वर महादेव मंदिर सहित इस स्थल की कहानी विशेष है। यहां पर हर साल गुरु पूर्णिमा पर वृहद आयोजन होता है। ग्रामीण अपने गुरु महर्षि श्री मुक्तानंद को याद करते हैं। उनकी मूर्ति भी यहां स्थापित है। जिन्होंने 1965 में यहां पर शिवलिंग स्थापित किया था। जिसे आज श्री मुक्तेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस साल 21 जुलाई को यहां गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया जाएगा।

अंडा- भिलाई। कार्तिक पूर्णिमा पर भी यहां मेला लगता है तो वही होली के बाद धुर पक्ष में नौ दिनों तक भागवत या शिव पुराण का आयोजन हर साल होता है। झंडापुर यूपी से आए थे मुक्तानंद महाराज ने ग्रामीणों को बताया कि 1959 -60 में उत्तर प्रदेश के झंडापुर से मुक्तानंद महाराज का आगमन उनके ग्राम में हुआ था। वे संत महात्मा थे। जिनके सानिध्य में ग्रामीणों ने धार्मिक शिक्षा ग्रहण की। 1965 में फिर श्री मुक्तानंद महाराज ने यहां शिवलिंग की स्थापना की। यहां सिर्फ सिकोला गांव का ही नहीं बल्कि आसपास के पूरे नौ गांव का धार्मिक और शांति का स्थल है। लगभग 25 एकड़ में फैले इस संत महात्मा के स्थल में सिकोला गांव के लगभग 50 ग्रामीणों ने अपनी जमीन दान की है और इस मंदिर का विकास कर रहे हैं।

संतो सहित राजनेताओं ने भी किया है योगदान

मंदिर और आसपास क्षेत्र के विकास के लिए संत, महात्मा सहित राजनेताओं ने भी अपना योगदान किया है। लिमतरा के निरंजन महाराज ने यहां हनुमान मंदिर बनवाया है। तो साजा के भागवत आचार्य पं वीरेंद्र चतुर्वेदी ने शनि मूर्ति स्थापित कराया है। लोकरंग अर्जुंदा के दीपक चंद्राकर ने मंच बनवाया है तो तत्कालीन सांसद मोतीलाल वोरा ने सत्संग भवन बनवाया है। वर्तमान विधायक कुंवर सिंह निषाद ने भी यहां भोजन कक्ष भंडारा की स्वीकृत कराई है। जिसका भूमि पूजन गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आज होगा।

निसंतानों की होती है मनोकामना पूर्ण

मंदिर समिति के अध्यक्ष सिन्हा, उपाध्यक्ष लाभूराम निषाद, दसरू राम देशमुख ने बताया कि महर्षि मुक्त वाटिका सिकोला के अंतर्गत सिकोला, देवगहन, सलोनी, गुरेदा, भरदाखुर्द, रौना, ओडारसकरी, चीचा और तिलखैरी आता है। इस जगह की विशेष मान्यता यह है यहां निसंतान दंपतियों को संतान की प्राप्ति हुई है। लोग अपनी मनोकामना लेकर यहां आते हैं। खासतौर से महिलाएं यहां हर सोमवार को पूजा करने के लिए आती है और व्रत रखती हैं।

दानदाताओं की मदद से हो रहा साईं मंदिर का निर्माण

वर्तमान में यहां साईं मंदिर का निर्माण हो रहा है जिसके लिए भी दानदाता सहयोग कर रहे हैं सब कुछ ठीक रहा तो 14 दिसंबर को साईं मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह प्रस्तावित है। इस स्थल में संत महात्माओं का आगमन होता रहा है। महर्षि मुक्तानंद के बाद मुरारी बापू, पवन दीवान सहित अन्य भी यहां आ चुके हैं और अपना प्रवचन दे चुके हैं। 21 जुलाई को होने वाले गुरु पूर्णिमा की तैयारी में समिति के कोषाध्यक्ष राम भगत साहू, मोहन हिरवानी, उप कोषाध्यक्ष गैधर हिरवानी, सचिव पूनम प्रकाश साहू, सह सचिव उमन साहू, प्रचार मंत्री श्री राम देशमुख, कपिल राम साहू, संगठन मंत्री तिजूराम देवांगन, सोहनलाल देशमुख सहित अन्य जुटे हुए हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

योग्यता के परीक्षण से खिलाड़ियों को चुना गया तीरंदाजी खेल अकादमी रायपुर के लिए

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा रायपुर में संचालित आवासीय तीरंदाजी अकादमी के लिए 20 बालक तथा 20 बालिकाओं का चयन किया जा चुका है। राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन दिनांक 25 एवं 26 जून को रायपुर के स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम एवं खेल संचालनालय परिसर तीरंदाजी एरिना में हुआ। चयन ट्रायल में सम्मिलित होने वाले समस्त खिलाड़ियों एवं उनके पालकों के लिए संचालनालय के द्वारा आवास, नाश्ता, भोजन, ग्लूकोज और निंबू पानी इत्यादि की व्यवस्था की गई। चयन ट्रायल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर के द्वारा मेडिकल टीम की तैनाती की गई। खेल संचालक तनुजा सलाम के निर्देश पर चयन ट्रायल के नोडल अधिकारी चेतन कुमार श्रीवास प्रशासक खेल अकादमी रायपुर के द्वारा चयन ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। सुव्यवस्थित तरीके से चयन ट्रायल सम्पन्न कराया गया।

चयन समिति में भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के एन.आई.एस. प्रशिक्षक शामिल रहे। चयनकर्ताओं के द्वारा खिलाड़ियों के फिटनेस से संबंधित मोटर एबिलिटी टेस्ट, मेडिकल टेस्ट, स्पोर्ट्स स्कील टेस्ट एवं मेंटल एबिलिटी टेस्ट लिये गए। निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले खिलाड़ियों को ही प्रदर्शन के आधार पर मैरिट क्रमानुसार 13 से 17 वर्ष आयुवर्ग के खिलाड़ियों को चयनित किया गया।

प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में भाग लिया। रायपुर जिले से 05 बालिका, 09 बालक, सरगुजा जिले से 07 बालिका, धमतरी जिले से 02 बालक, 04 बालिका, महासमुंद जिले से 05 बालिका, 02 बालक, नारायणपुर जिले से 03 बालक, बिलासपुर जिले से 01 बालक, कोण्डागांव जिले से 01 बालक एवं गरियाबंद जिले से 01 बालिका चयनित हुए। चयनित खिलाड़ियों को 10 दिवस के भीतर अकादमी में प्रवेश दिया जावेगा। यदि चयनित खिलाड़ी में से कोई प्रवेश लेने में असमर्थ रहता है, तो प्रतीक्षा सूची में से मेरिट के आधार पर प्रवेश देने की कार्यवाही की जाएगी।

खेल अकादमी में प्रवेश लेने वाले खिलाड़ियों को खेल अकादमी संचालन नियम, 2014 के अंतर्गत निःशुल्क आवास, भोजन, शैक्षणिक सुविधा, परिधान, प्लेइंग किट, दुर्घटना बीमा एवं प्रतियोगिताओं में सहभागिता आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आवासीय खेल अकादमी के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए राज्य शासन के द्वारा एन.आई.एस. प्रशिक्षकों की भर्ती की गई है। समय समय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को खेल अकादमी में आमंत्रित कर विशिष्ट प्रशिक्षण का आयोजन भी कराया जावेगा।

चयनित बालिका खिलाड़ियों में कुमारी अनिता प्रजापति, मरियम केरकेट्टा, डोमेश्वरी साहू, मान्या वर्मा, भुवनेश्वरी, अनुष्का टोप्पो, सुनीता साहू, विनीता एक्का, यामिनी धीवर, देविका साहू, प्रेयंशी वर्मा, दीक्षा साहू, प्रियांशी महंत, करिश्मा एक्का, बबली रानी राजवाड़े, चांदनी मरकाम, लक्ष्मी साहू, ट्वींकल देवांगन, तनुष्का रेगे एवं दिलेश्वरी साहू शामिल हैं। बालक खिलाड़ियों में मो. अर्श आजम खान, खिलेश भद्रे, भोजपाल सिन्हा, अमित कुमार सिन्हा, राहूल उसेण्डी, अविनाश कवड़े, हर्ष कुमार सोनी, अमन शर्मा, विजय कुमार, तनिष्क यादव, अतुल कुमार नेताम, निलेष फुण्डे, कुसोराम साहू, लक्ष्य साहू, गणेशु कुमार, शौर्य साहू, हर्ष ठाकुर, जसमित सिंह, मुकेश मण्डावी एवं अमृत कुमार नेताम शामिल हैं।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक में छत्तीसगढ़ को 2 गोल्ड मेडल के साथ 6 मेडल

रायपुर। 13 वीं सब जूनियर जूनियर नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 15 से 17 जुलाई बेंगलुरु में आयोजित हुई। जिसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 2 गोल्ड सहित 6 मैडल जीते। इनमें सुखदेव ने 100 मीटर रनिंग में गोल्ड मेडल और 400 मीटर रनिंग में गोल्ड मेडल, यशोदा राजवाड़े ने लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल और 100 मीटर रनिंग में ब्रोंज मेडल, नोशन कुमार ने 1500 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल , उदय निषाद ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया साथ में गए कोच निरंजन साहू का योगदान बहुत ही सराहनीय रहा।

इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को आर सी मिश्रा, सूरज यादव अध्यक्ष, प्रशांत सिंह रघुवंशी, उपाध्यक्ष, डिकेश टंडन महासचिव, प्रमोद तिवारी , नरेंद्र मिश्रा, नीता डूमरे, धर्मवीर एवं पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़ के सभी पदाधिकारी ने शुभकामनाएं दी है।

दिल की सेहत का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण पैमाना है ट्राइग्लिसराइड्स

हाई ट्राइग्लिसराइड से बढ़ रही परेशानी कारण और बचाव जानना बेहद जरूरी

हृदय रोगों के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आनुवांशिकता और जन्मजात स्थितियों को छोड़ दिया जाए तो हृदय रोग के अधिकांश कारकों को नियंत्रित करके इस गंभीर समस्या से सुरक्षित रहा जा सकता है। मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल, हाई ट्राइग्लिसराइड्स के अलावा शुगर बढ़ने, आहार-दिनचर्या में गड़बड़ी के कारण हृदय से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। नियमित रूप से इनकी जांच और बचाव के लिए उपाय कर लिए जाएं तो हृदय रोग सहित कई बीमारियों से भी सुरक्षित रहा जा सकता है। ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने के कारण और इससे बचाव के बारे में आपके लिए बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, ट्राइग्लिसराइड्स हृदय स्वास्थ्य का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण पैमाना है। जिन लोगों का ट्राइग्लिसराइड बहुत अधिक बढ़ा रहता है उनमें हृदय रोग और हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है। आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखकर ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को नियंत्रित रखा जा सकता है।

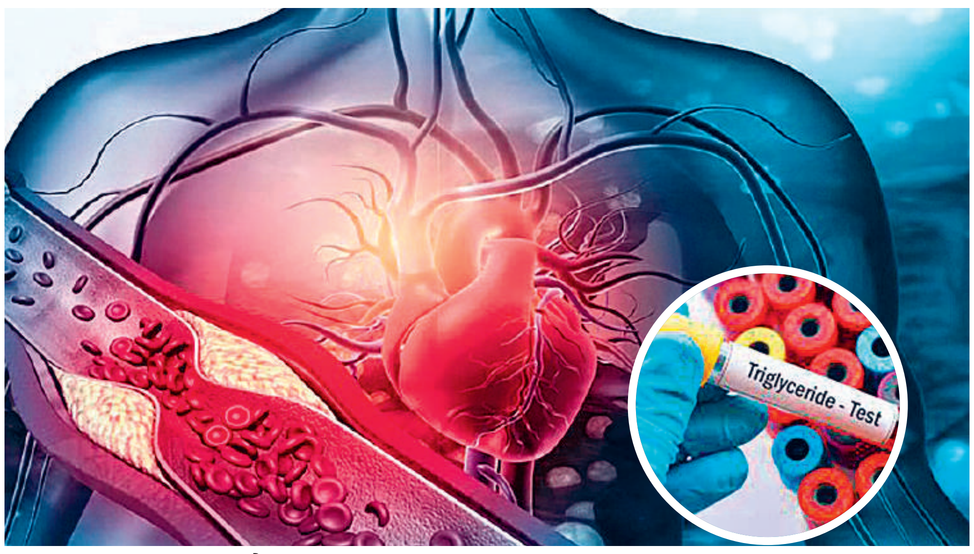

ट्राइग्लिसराइड्स और इसके कारण होने वाली समस्या

ट्राइग्लिसराइड्स एक प्रकार का फैट हैं जिसे लिपिड कहा जाता है। ट्राइग्लिसराइड्स कुछ प्रकार के खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से मक्खन, तेल और अन्य वसा वाले स्रोतों से आते हैं। वैसे तो इसे हानिकारक नहीं माना जाता है पर अगर इसकी मात्रा अधिक हो जाए तो इससे कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है। जो लोग नियमित रूप से सीमित मात्रा से अधिक कैलोरी का सेवन करते हैं, विशेष रूप से हाई कार्बोहाइड्रेट वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने का खतरा रहता है।

क्यों बढ़ता है ट्राइग्लिसराइड?

खून की जांच में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर 200 मिलीग्रा/डीएल से अधिक होना हानिकारक माना जाता है। सिंपल कार्बोहाइड्रेट जैसे कि चीनी-सफेद आटा या फ्रुक्टोज से बने खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन के कारण ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने का जोखिम रहता है। इसके अलावा अधिक वजन वाले लोगों में भी इसका जोखिम रहता है।

ट्राइग्लिसराइड को कैसे करें कंट्रोल?

आहार और दिनचर्या में कुछ आवश्यक बदलाव करके ट्राइग्लिसराइड को बढ़ने से रोकने या इसे नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। हरी सब्जियों को वैसे तो सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी माना जाता है पर जिन लोगों का ट्राइग्लिसराइड बढ़ा हुआ रहता है उन्हें स्टार्च वाली सब्जियों जैसे मकई और मटर आदि के अधिक सेवन से बचना चाहिए। इसके अलावा शराब पीने वालों में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड दोनों का स्तर बढ़ने का जोखिम देखा जाता रहा है। हृदय स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने के लिए शराब और धूम्रपान दोनों से दूरी बनाकर रखना आवश्यक माना जाता है। नियमित रूप से व्यायाम करना अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य रखें।

क्या एक ही चीज है कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड?

कहीं आप भी तो कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को एक ही नहीं मानते आ रहे हैं? ये दोनों अलग-अलग हैं। ट्राइग्लिसराइड्स, शरीर द्वारा उपयोग न की गई कैलोरी को संग्रहीत करता है और आपके शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। कोलेस्ट्रॉल का उपयोग कोशिकाओं और कुछ हार्मोन बनाने के लिए किया जाता है। हाई ट्राइग्लिसराइड का स्तर स्ट्रोक और अग्न्याशय में सूजन के साथ-साथ अन्य गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को बढ़ा देता है। वहीं कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से धमनियों में जमाव हो सकता है जिससे एथेरोस्क्लेरोसिस नामक समस्या होती है। ये हार्ट अटैक के प्रमुख कारकों में से एक है।

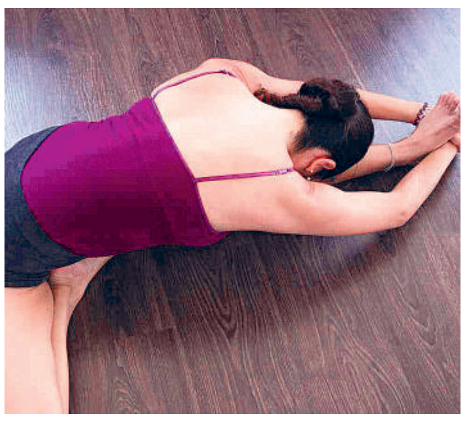

पेट की चर्बी और पीठ दर्द दोनों होंगे कम अपनाएं योगासन

गलत पॉश्चर, लंबे समय तक बैठे रहने और भी कई कारणों के चलते, आजकल लोगों की पीठ में दर्द रहने लगा है। वहीं, गलत खान-पान, हार्मोनल इंबैलेंस और स्ट्रेस जैसी वजहों से, बेली फैट बढ़ने लगा है। पेट की जिद्दी चर्बी आसानी से टस से मस नहीं होती है और पीठ के दर्द के चलते भी हमारे रूटीन पर असर होता है। कई बार लोग पीठ दर्द को कम करने के लिए ओवर-द-काउंटर मेडिसिन भी लेते हैं। आपको बता दें कि कुछ योगासन, बेली फैट और पीठ दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये योगासन कौन-से हैं और इन्हें करने का सही तरीका क्या है, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। यह जानकारी योगा एक्सपर्ट नताशा कपूर दे रही हैं। वह सर्टिफाइड योगा टीचर हैं।

भद्रासनः इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर बैठ जाएं। आपको दोनों घुटने मोड़कर बैठना है।अपने दोनों पंजों को मिलाएं।दोनों पंजों को हाथों की उंगलियों से पकड़ें। इस पोजिशन में खुद को कम्फर्टेबल करने की कोशिश करें।अब इस पोजिशन को होल्ड करें। अब अपने हाथों को फैलाते हुए ऊपर की तरफ ले जाएं। हाथों को आपको सामने फर्श की ओर लेकर जाना है।अपने शरीर को भी आगे की तरफ झुकाएं। अब इस पोजिशन को होल्ड करें।इससे पेट की चर्बी कम होती है।इसे करने से पीठ के दर्द में भी आराम मिलता है।इसे करने से एसिडिटी, कब्ज

और पेट की दिक्कतें दूर होती हैं। इस आसन को करने से थकान दूर होती है। महिलाओं की फर्टाइल हेल्थ के लिए भी यह फायदेमंद है।

भुजंगासनः इसे कोबरा आसन भी कहा जाता है। इसे करने के लिए, सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब आपको हथेलियों को फर्श पर रकना है। शरीर के निचले भाग को जमीन पर रखते हुए, हथेलियों पर दबाव डालें। अब शरीर के ऊपरी भार को फर्श से ऊपर की ओर उठाएं। इस पोजिशन को कुछ देर होल्ड करें।इसके बाद सांस छोड़ते हुए ओरिजनल पोजिशन में वापिस आ जाएं।इस आसन को करने से बेली फैट कम होगा और पीठ दर्द से भी राहत मिलेगी। यह आसन थकान को भी दूर करता है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर में लचीलापन आता है।

इन 2 योगासनों को रूटीन का हिस्सा बनाकर, आप बेली फैट और बैक पेन से निजात पा सकती हैं। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

सावन सोमवार के व्रत में करें इनका सेवन, महादेव को भी लगाएं भोग

अगर आप भी सावन का व्रत रखने का सोच रहे हैं लेकिन आपको यह संशय है कि आप खाने में क्या खा सकते हैं तो यहां विस्तार से जानकारी आपके लिए है। इन पकवानों के सेवन से आपको व्रत के दौरान भूख का एहसास नहीं होगा और आप पूरा दिन तरोताजा रहेंगे। यह सभी पकवान बनाने में भी काफी आसान हैं। ऐसे में आपको इसे तैयार करने के लिए ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कुट्टू के आटे की पूड़ी

कुट्टू के आटे से पूड़ी बनाना काफी आसान होता है। इसे आप आलू की सब्जी या दही के साथ खा सकती हैं। ये काफी कुरकुरी होती हैं, जिस वजह से इसका स्वाद और भी ज्यादा अच्छा लगता है।

साबूदाना खिचड़ी

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे साबूदाना की खिचड़ी खाने में पसंद न हो। आप अगर इसे बनाकर अपने बच्चों को भी खिलाएंगे, तो उनका पेट के साथ मन भी खुश हो जाएगा। ऐसे में बिना डरे इसे तैयार कर सकती हैं।

कुट्टू की पकौड़ी

बारिश का मौसम भी हो रहा है। ऐसे में व्रत वाले दिन आप कुट्टू की पकौड़ी भी तैयार कर सकती हैं। इसे बनाना काफी आसान होता है और ये खाने में भी स्वादिष्ट लगती है।

कटलेट

आप चाहें तो या तो आलू के या फिर साबूदाना के कटलेट भी व्रत के लिए तैयार कर सकती हैं। इसे फलाहारी हरी चटनी के साथ ही परोसें। चटनी के इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

मखाने की खीर

अगर कुछ मीठा बनाने का सोच रही हैं तो मखाने की खीर एक बेहतर विकल्प है। इसका भोग आप महादेव को लगा सकती हैं। मखाने की खीर का भोग लगाना काफी अच्छा माना जाता है। ऐसे में बिना सोचे मखाने की खीर बनाएं।

राजगिरा पराठा

राजगिरा के आटे से बने पराठे, जिसे दही या फलाहारी सब्जी के साथ खाया जा सकता है। ये काफी हेल्दी भी होता है।

एल्युमिनियम की बनवा रहे हैं अलमारी तो वास्तु के इन नियमों का रखें ध्यान

अमूमन घर में एल्युमिनियम की अलमारी बनवाते समय अक्सर ग्लास का इस्तेमाल किया जाता है। वही, अगर बेडरूम में एल्युमिनियम की अलमारी का इस्तेमाल किया जाता है तो उसमें मिरर भी लगाया जाता है। चाहे आप एल्युमिनियम की अलमारी को किसी भी तरह घर में इस्तेमाल करें, लेकिन उससे आपके घर में पॉजिटिविटी ही बनी रहे, इसके लिए आपको वास्तु के कुछ नियमों को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सही दिशा में रखें अलमारी

जब आप अपने घर में एल्युमिनियम की अलमारी का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको दिशाओं का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन लोग यह सोचते हैं कि एल्युमिनियम की अलमारी को रखते समय यह सोचते हैं कि वह वजन में हल्की है और इसलिए वे उसे उत्तर या पूर्व दिशा में रखते हैं। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप इसमें सामान रखते हैं तो यह भी भारी हो जाती है। एल्युमिनियम की अलमारी को रखने के लिए पश्चिम दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है। हालांकि, आप एल्युमिनियम की अलमारी को दक्षिण दिशा में भी रख सकते हैं।

रखें कपड़े

अगर आपने अपनी एल्युमिनियम की

अलमारी को पश्चिम दिशा में रखा है तो उसमें कपड़े रखे जा सकते हैं। इसमें शादी या किसी खास मौके के लिए साड़ियां या सूट रखना काफी अच्छा माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि व बरकत होती है। हालांकि, इस अलमारी को बनवाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि आप इसमें मिरर ना लगाएं। आप इसमें ट्रांसपेरेंट ग्लास लगा सकते हैं। इससे आपको अंदर रखा हुआ सामान भी आसानी से नजर आएगा। हालांकि, अगर आपको किसी वजह से अलमारी में मिरर का इस्तेमाल करना पड़ता है तो आप उसे हमेशा अलमारी के पल्ले के अंदर के हिस्से में लगाएं।

कार्नर न्यूज

टीनएजर्स बच्चों में बदलाव और सुधार के लिए उन्हें वक्त दें

टीनएजर्स पर रोक-टोक लगाने से पहले सोचें, दिमाग पर होता है असर

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उनमें उम्र से लेकर बर्ताव तक कई सारे बदलाव नजर आते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं- टीनएजर्स बच्चों की, जो 12 से 19 साल के बीच के उम्र वाले होते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर अपनी प्राइवेसी को लेकर बड़ों से बहस तक कर लेते हैं। बच्चे की ऐसी हरकतों पर कई बार पेरेंट्स परेशान हो जाते हैं। कई पेरेंट्स तो अपने बच्चों के कामों में रोक-टोक लगाने भी शुरू कर देते हैं, ताकि टीनएजर्स बच्चों में कुछ बदलाव और सुधार हो। हालांकि, जरूरी नहीं कि आपकी डांट या रोकने से बच्चे सुधर ही जाएंगे। कई बार बच्चे इससे और भी ज्यादा जिद्दी हो जाते हैं। अगर आपके बच्चे में भी कुछ ऐसे बदलाव नजर आ रहे हैं, तो आइए आर्टेमिस अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक व सलाहकार डॉ. राहुल चंडोक से जानते हैं कि ऐसी स्थिति में पैरेंट्स को कैसे हैंडल करना चाहिए।

टीनएजर्स बच्चों पर रोक-टोक लगाने से क्या असर होता है?

गुस्सा और बहसः अक्सर टीनएजर्स बच्चों पर अगर बहुत अधिक नियंत्रण लगाया जाए, तो उनके अंदर बहुत ज्यादा गुस्सा बढ़ सकता है। साथ ही, वे बड़ों से बहस भी कर सकते हैं। ऐसे में, ये झगड़े और बहस हिंसक व्यवहार का कारण भी बन सकता है।

अवसाद और चिंताः टीनएजर्स बच्चों को अक्सर लगता है कि वो जो भी कर रहे हैं, सिर्फ वही सही है और वो अपने आप को ही प्रथमिकता देते हैं। ऐसे में, अगर पेरेंट्स उनके डिसीजन या फिर किसी भी काम में रोक-टोक लगाते हैं या बच्चों पर अत्यधिक दबाव डालते हैं, तो बच्चों में तनाव की स्थिति बन सकती है। इससे बच्चे को डिप्रेशन और चिंता भी हो सकती है। वे सामाजिक रूप से अलग-अलग महसूस कर सकते हैं।

अपने आप को नुकसान पहुंचाने की प्रवृतिः टीनएजर्स बच्चे बहुत जल्दी रिएक्ट करते हैं, अगर उनके अनुसार काम न हो और ऊपर से पेरेंट्स के तरफ से रोक-टोक भी सुनना पड़े तो ऐसे में बच्चे खुद को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। इसमें, नशा करना, लापरवाही से ड्राइविंग करना या सुसाइड करना जैसी स्थिति भी बन सकती है।

टीनएजर्स को पर्सनल स्पेस कैसे दें?:

समय निकाल कर शांति से करें बातः अपने टीनएजर्स बच्चे से उनकी भावनाओं और जरूरतों के बारे में शांति से और समय निकालकर बात करें। उन्हें बताएं कि आप उनसे प्यार करते हैं और कभी उनका बुरा नहीं चाहते हैं। साथ में, उन्हें भी सुनें और उनकी बातों को समझने का प्रयास करें।

बच्चे से बात करने के दौरान एक सीमा तय रखें कई बार पेरेंट्स बच्चों के साथ बहुत ज्यादा फ्रेंडली हो जाते हैं, जिसके कारण बच्चे भी जो जी में आए वो बोल देते हैं। कहीं भी कभी भी बाहर दोस्तों के साथ घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में, जरूरी है कि बच्चों के साथ बात चीत करने के लिए एक समय सीमा तय रखें। किसी भी काम के लिए अनुमति देते समय अपने टीनएजर बच्चे के साथ चर्चा में एक सीमा सेटिंग रखने का प्रयास करें, ताकि वह सीमा के अंदर रहकर ही अपनी मस्ती और दोस्तों के साथ मिलना-जुलना करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

प्राइम वीडियो शो का ट्रंप पर जानलेवा हमले से कनेक्शन, बदला एपिसोड का नाम

'द बॉयज सीजन 4' के फिनाले को समीक्षकों और दर्शकों से मिली जुली प्रतिक्रया मिली है। हालांकि, अगर आपने इसे अभी तक नहीं देखा है तो आप शो और प्राइम वीडियो के आधिकारिक अकाउंट द्वारा आखिरी मिनट में जारी की गई चेतावनी से आश्चर्यचकित हो सकते हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और वर्तमान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर हत्या के प्रयास के बाद अमेजन ने 'द बॉयज सीजन 4' के समापन पर एक बयान जारी किया है। 'द बॉयज सीजन 4' में आठ एपिसोड हैं, जिसका आरंभिक शीर्षक 'असैसिनेशन रन' था। इसमें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रॉबर्ट सिंगरैंड और नव-निर्वाचित उप-राष्ट्रपति विक्टोरिया न्यूमैन पर हत्या के प्रयासों को दिखाया गया। प्राइम वीडियो का बेहद लोकप्रिय शो 'द बॉयज' एक राजनीतिक व्यंग्य के साथ-साथ एक सुपरहीरो शो भी है, जिसके पात्र और कहानियां वास्तविक दुनिया के राजनेताओं और घटनाओं से प्रेरित हैं। एपिसोड 8 एक साल से अधिक समय पहले लिखा गया था और 2023 में फिल्माया गया था, लेकिन ट्रम्प पर हत्या के प्रयास के कुछ ही दिनों बाद प्रसारित हुआ। इस वजह से, अमेजन ने एपिसोड का नाम 'सीजन 4 फिनाले' रख दिया और एक खास चेतावनी जोड़ दी है जो शुरुआत में स्क्रीन पर दिखाई देती है। 'द बॉयज' के सीजन 4 के समापन में काल्पनिक राजनीतिक हिंसा के दृश्य शामिल हैं, जो कुछ दर्शकों को परेशान करने वाले लग सकते हैं। चेतावनी में लिखा गया है, 'द बॉयज एक काल्पनिक सीरीज है जिसे 2023 में फिल्माया गया था, इनका पेनिसिल्वेनिया में हुई घटनाओं से कोई भी दृश्य या कथानक समानता संयोग मात्र है। अमेजन, सोनी पिक्चर्स टेलीविजन और 'द बॉयज' के निर्माता, किसी भी प्रकार की वास्तविक दुनिया की हिंसा को कड़े शब्दों में अस्वीकार करते हैं।'

टॉलीवुड

धनुष की 50वीं फिल्म 'रायन' का गाना 'ओह राया' रिलीज, रहमान के सुरों ने जीते दिल

धनुष अभिनीत और निर्देशित फिल्म 'रायन' अपने दिलचस्प पोस्टर और ट्रेलर के जरिए सुर्खियों में छाई हुई है। आगामी गैंगस्टर ड्रामा धनुष की 50वीं फिल्म है। हाल ही में जारी हुए ट्रेलर में फिल्म की कहानी की झलक देखने को मिली। वहीं, अब इसका गाना 'ओह राया' रिलीज हो गया है। सन पिक्चर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए गाने के रिलीज होने की जानकारी दी है। धनुष अभिनीत 'रायन' 26 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज की प्रत्याशा में, निर्माताओं ने अब 'ओह राया' नामक गाना जारी किया है, जिसे एआर रहमान ने संगीतबद्ध किया है। ट्रैक के बोल लालसा और जुड़ाव के विषयों का पता लगाते हैं। एआर रहमान की 'ओह राया' प्रेम और साहचर्य के विषयों की खोज करती है। वर्णनकर्ता जीवन की चुनौतियों से ऊपर उठने की इच्छा व्यक्त करते हैं। साथ ही किसी प्रिय की उपस्थिति में सांत्वना की तलाश करते हैं। 'रायन' धनुष की बतौर मुख्य अभिनेता 50वीं फिल्म है। एक गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती एक्शन ड्रामा फिल्म 'रायन' ने सेंसर की औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से 'ए' सर्टिफिकेट मिला है। यह धनुष की 'वडा चेन्नई' के बाद दूसरी ऐसी फिल्म है, जिसे यह रेटिंग मिली है। सन पिक्चर्स बैनर द्वारा निर्मित 'रायन' 26 जुलाई को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन धनुष ने किया है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। 'रायन' धनुष की दूसरी निर्देशित फिल्म है, जो 'पा पांडी' के बाद बनी है। एआर रहमान फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं।

भोजपुरी

'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' का फर्स्ट लुक आउट

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री एक बार फिर भाई-बहन के पावन त्योहार रक्षाबंधन का सिल्वर स्क्रीन पर जश्न मनाने जा रही है। भोजवुड के जाने-माने निर्माता प्रदीप सिंह एक नई भावनात्मक फिल्म 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में ऋतु सिंह, गौरव झा, संजय पांडेय, जे. नीलम और देव सिंह मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह है। जबकि इसका ट्रेलर 23 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। 'वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन' और 'मैड्ज मूवीज' के बैनर तले बन रही 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' एक पारिवारिक और भावनात्मक कहानी पर आधारित है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम और रिश्ते की गहराई को दर्शाती है। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में भी यह भाव साफ झलकता है। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह के साथ समीर आफताब और प्रतीक सिंह हैं, जबकि इसे प्रमोद शास्त्री डायरेक्ट कर रहे हैं। कहानी एसके चौहन ने लिखी है। अपनी इस नई फिल्म के बारे में प्रदीप सिंह कहते हैं, 'यह फिल्म भाई-बहन के रिश्ते पर आधारित है और इसमें हमारे समाज के सबसे प्यारे और मजबूत रिश्ते को दिखाया गया है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म सभी को भावुक कर देगी और दर्शकों के दिलों को छू लेगी।'

पेरिस की अदा

लाइफ स्टाइल

पेरिस फैशन वीक के लिए विभिन्न शैलियों, रंगों और डिज़ाइनों का एक अनूठा संयोजन बनाया गया है जो विभिन्न संस्कृतियों को एक साथ लाता है। इसके अलावा, ये थीम कई अलग-अलग देशों के रीति-रिवाजों और समृद्ध विरासत को सम्मान देकर विविधता की आंतरिक सुंदरता का जश्न मनाती हैं। यहां रैम्प पर उतरने जा रहे माडल मानते हैं कि प्रत्येक संस्कृति अद्वितीय और आकर्षक है। संस्कृतियों को मिलाना चुनौतीपूर्ण लग सकता है, लेकिन जब सही तरीके से किया जाता है, तो यह आधुनिक दुनिया में साथ-साथ रहने वाली कई संस्कृतियों की चिरस्थायी आत्माओं को दर्शाता है।

बालों की करनी है नेचुरल केयर तो हेयर वॉश करते समय इन बातों का रखें ध्यान

बालों की ग्रोथ अच्छी हो साथ ही ये सिल्की और शाइन भी नजर आए। इसके लिए इनकी अच्छी तरह की केयर करना जरुरी है। जहां महिलाएं बालों की केयर करने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं तो वहीं कई सारे उपाय भी करती है। इसी के साथ बालों को अच्छी तरह से वॉश करना भी बालों की केयर करने में अहम रोल अदा करता है लेकिन, अगर आप इनकी हेयर वॉश करते समय कुछ बातों को ध्यान रखती हैं तो बालों से जुड़ी समस्या कम हो सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं जिनका ध्यान आपको हेयर वॉश करते समय जरुर रखना चाहिए।

हेयर वॉश करने से पहले करें ये काम

हेयर वॉश करने से पहले बालों को अच्छी तरह से ऑयलिंग करें और ये काम 30 मिनट पहले करें। इसके बाद शैंपू की मदद से ही बालों को धोएं।

बालों को धोने से 30 मिनट पहले बालों पर तेल लगाएं साथ ही स्कैल्प की अच्छी तरह मसाज करे। अगर आप हेयर मास्क का इस्तेमाल कर रही हैं तो सबसे पहले पानी की मदद से हेयर मास्क का पेस्ट को साफ करें इसके बाद ही शैंपू का इस्तेमाल करें। हेयर करने से पहले पानी के तापमान चेक कर लें। हेयर वॉश करने वाला पानी न ज्यादा ठंडा होना चाहिए न ही ज्यादा गर्म। बालो को धोने वाला पानी का तापमान गुनगुना होना चाहिए।

हेयर वॉश के दौरान सही शैंपू और कंडीशनर का चुनाव करे। वहीं शैंपू का इस्त्तेमाल करते हुए बालों को रगड़े नहीं बल्कि हलके हाथ से मसाज करें। कंडीशनर का इस्तेमाल स्कैल्प पर न करें, कंडीशनर आप बालों पर लगाएं ताकि बाल सिल्की हो। कंडीशनर का इस्तेमाल गीले बालों पर करें। बालों पर कंडीशनर 5 मिनट तक लगा रहने दें इसके बाद उन्हें वॉश कर लें।

कैजुअल लुक के लिए बेस्ट रहेंगी फुल लेंथ वाली कुर्ती

फैशन

कुर्ती कई सारे मौकों पर पहनी जा सकती है साथ ही ऑफिस में पहनने के लिए भी ये आउटफिट बेस्ट हैं। वहीं अगर आप कैजुअल लुक चाहती हैं तो आप ये फुल लेंथ वाली कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाली फुल लेंथ वाली कुर्ती दिखा रहे हैं जो कैजुअल लुक के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है।

कॉलर नेक कुर्ती

इस तरह की कॉलर नेक कुर्ती आप कैजुअल लुक के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। यह कुर्ती कॉटन फैब्रिक में है और इस तरह की कुर्ती को आप ऑफिस में कैजुअल लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर ऑप्शन मिल जाएंगे जिन्हें आप 600 से 700 रुपये में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप फुटवियर में फ्लैट्स या हील्स पहन सकती हैं साथ ही पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी इस आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

वी नेक कुर्ती

स्टाइलिश लुक के लिए आप इस तरह वी नेक कुर्ती वियर कर सक्तु हैं । इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर और डिजाइन में मिल जाएंगे। इस तरह की कुर्ती आप ऑफिस या कीस मीटिंग के दारण वियर कर सकती हैं। यह कुर्ती आपको 1000 से कम कीमत में आराम से मिल जाएगी इस आउटफिट के साथ आप फुटवियर में फ्लैट्स या हील्स पहन सकती हैं साथ ही पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी इस आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट कुर्ती

इस तरह की कुर्ती भी आप कैजुअल पाने के लिए बेस्ट है। यह फ्लोरल प्रिंट कुर्ती में हैं और ये कुर्ती स्लीवलेस है। इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर और डिजाइन में मिल जाएंगी जिसे आप 500 से लेकर 1000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं साथ जूती भी इस आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं ।

सावन के मौके पर ग्रीन कलर के आउटफिट के साथ ये मल्टी कलर चूड़ियों के लेटेस्ट डिजाइंस

सावन के मौके पर महिलाएं जहां ग्रीन काले आउटफिट पहनती हैं तो वहीं कई महिलएं इस खास मौके पर ग्रीन कलर की चूड़ी भी स्टाइल करती हैं। लेकिन, अगर आप न्यू ट्राई करने का सोच रही हैं तो आप ये मल्टी कलर चूड़ियां स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको मल्टी कलर में कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली चूड़ी दिखा रहे हैं जिन्हें आप सावन के मौके पर आपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

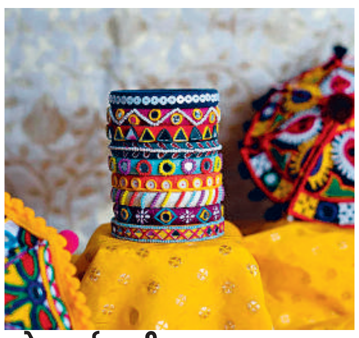

मिरर वर्क चूड़ी

अगर आप कुछ न्यू ट्राई करना चाहती हैं तो आप इस तरह के मल्टी कलर चूड़ी अपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इन चूड़ी में मिरर वर्क साथ ही कई सारे डिजाइन और मोती का वर्क किया हुआ है। वहीं इस तरह की चूड़ी को आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। यह चूड़ी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन मिल जाएँगी जिसे आप 200 से 500 तक की कीमत में खरीद सकती हैं

स्टोन वर्क चूड़ी

अगर आप कोई ऐसा आउटफिट पहन रही हैं जिसके साथ गोल्डन चूड़ी परफेक्ट मैच करेंगी तो आप ये स्टोन वर्क चूड़ी का भी चुनाव कर सकती हैं, इस चूड़ी में स्टोन वर्क किया हुआ है साथ ही इसमें मोतियों का भी वर्क किया गया है, इस तरह की चूड़ी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन मिल जाएँगी जिसे आप तक 500 की कीमत में खरीद सकती हैं। इस तरह की चूड़ी जहां आपके ऑउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेंगी तो वहीँ आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी।

सावन में खूब जचेंगी पैरों में चांदी की पायल

ट्रेडिशनल लुक को पूरा करने के लिए ज्वेलरी का रोल अहम होता है। इसमें नेकलेस और इयररिंग्स तो हम पहनते ही हैं, लेकिन पैरों के खूबसूरती को दोगुना करने के लिए आप बिछिया के साथ में पायल को पहन सकती हैं। पायल के कई डिजाइंस आपको देखने को मिल जाएंगे, लेकिन पैरों की शेप के अनुसार डिजाइन को चुनने से आपको काफी खूबसूरत लुक मिल सकता है। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं पायल के कुछ नए डिजाइंस जिन्हें आप किसी भी फंक्शन या रोजाना के लिए पहन सकती हैं और अपने श्रृंगार को पूरा कर सकती हैं।

कुंदन डिजाइन पायल

कुंदन डिजाइन आजकल काफी चलन में है और इस तरह के फैंसी लुक वाली पायल खासकर नई-नवेली दुल्हनें पहनना पसंद करती हैं। वहीं इस तरह की पायल साड़ी के साथ बेहद खूबसूरत लुक देने में आपकी मदद कर सकती हैं। इसे फैंसी लुक देने के लिए इसमें आप पर्ल भी लगवा सकती हैं।

लेयर डिजाइन फैंसी पायल

चांदी से बनी एक से ज्यादा लेयर वाली पायल आपको आसानी से मिल जाएगी। इस तरह की पायल

में आप अपनी पसंद का स्टोन भी लगवा सकती हैं। बता दें कि इस तरह की पायल आप किसी भी शादी व फंक्शन में पहन सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन पायल

हैवी डिजाइन की पायल को पैरों में पहनना चाहती हैं तो इस तरह के फ्लोरल डिजाइन वाली पायल को आप पैरों में पहन सकती हैं। इस तरह की पायल में आपको मैरून औरग्रीन कलरसबसे ज्यादा देखने को मिल जाएंगे।इसे भी पढ़ें:पायल के ये डिजाइंस बढ़ा देंगे आपके पैरों की शोभा, देखें तस्वीरें

काले मोतियों वाली पायल

कार्नर न्यूज

कुछ नया और अलग ट्राई करना चाहती हैं तो जरूर पहल करें

त्योहार आते हैं, तो हम अपने लिए अलग-अलग तरह के कपड़ों की खरीदारी करते हैं। ऐसा इसलिए ताकि हम अच्छे से तैयार होकर बाहर निकलें तो हर कोई हमारी तारीफ करे। लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि हम एक जैसे कपड़ों को पहनकर बोर हो जाते हैं, जिसकी वजह हमें कुछ नया पहनने का मन अक्सर करता है। अगर आप भी कुछ नया और अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो इसके लिए आप राजस्थानी अंदाज में तैयार हो सकती हैं। इनकी ट्रेडिशनल लुक काफी खास और अच्छा होता है।

राजस्थानी अंदाज में सावन को बनाएं स्पेशल, करें अपने लुक को क्रिएट

राजस्थानी लहंगा चोली करें वियर

राजस्थान में एक ट्रेडिशनल लहंगा चोली होती है, जिसे लड़कियां अपनी शादी में पहनती हैं। यही लहंगा वो किसी खास पूजा या फंक्शन में भी पहनें नजर आती हैं। इसमें बूटा डिजाइन, दबका वर्क और जरकिन का काम होता है। इससे यह लहंगा हैवी लगता है। इसके ब्लाउज पर भी सेम डिजाइन किया जाता है। चुन्नी में गोटा वर्क ज्यादा किया जाता है। इसलिए यह पहनने के बाद अच्छी लगती है। आप भी इस बार सावन में इस राजस्थानी पोशाक को ट्राई कर सकती हैं। यह आजकल हर मार्केट में आसानी से मिल जाती है।

राजस्थानी ज्वेलरी करें वियर

राजस्थानी पोशाक की तरह उनकी ज्वेलरी भी खास होती है। इसमें आपको बाजूबंद, माथा पट्टी, बरोला, नथ, अद और बेसर मिलता है। यह सभी चीजें जब लहंगे के साथ पहनी जाती हैं, तो अच्छी लगती हैं। साथ ही, इससे लुक काफी सुंदर निकलकर आता है। इसके लिए आप किसी भी आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप से शॉपिंग कर सकती हैं, जहां आपको अलग-

राजस्थानी जूती करें वियर

अगर आपको पूरा लहंगा लुक अच्छे से क्रिएट करना है, तो इसके साथ राजस्थानी जूती को स्टाइल करें। जूती में आपको कई सारे अलग-अलग डिजाइन के ऑप्शन मिल जाएंगे। जिसे आप अपने लहंगे के साथ मिक्स मैच करके स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको कुछ नए लुक में तैयार होने का मौका मिलेगा। इस बार सावन में ट्राई करें ये राजस्थानी अंदाज इसमें आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको कुछ अलग और नया पहनने को मिलेगा।